



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 100]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 26, 2018/चैत्र 5, 1940

No. 100]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 26, 2018/CHAITRA 5, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2018

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सेरामिक रोलर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की जांच।

सं. 14/47/2016-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. **मामले की पृष्ठभूमि**

1. जबकि, मैसर्स फ्यूचरा सेरामिक्स लिमिटेड (जिसे यहां आगे याचिकाकर्ता कहा गया है) ने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे यहां आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "सेरामिक रोलर" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन (जिसे याचिका भी कहा गया है) दायर किया था।

ख. **प्रक्रिया**

2. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- क. प्राधिकारी को उक्त नियमावली के अनुसार संबद्ध सामानों के घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ताओं से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामान के पाटन तथा परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश का अनुरोध किया गया है।
- ख. संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और तथाकथित पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क, जो यदि सेरामिक रोलर के आयातों पर लगाया जाए तथा जो घरेलू उद्योग को "क्षति" समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की राशि सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5 के संदर्भ में घरेलू उद्योग को तथाकथित पाटन एवं परिणामस्वरूप क्षति के संबंध में जांच शुरू की।
- ग. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच की कार्यवाही की शुरुआत करने से पहले पाटनरोधी आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देश के दूतावास/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया।
- घ. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित 19 अप्रैल, 2017 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ङ. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के सभी ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ता एसोसिएशन को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी तथा उन्हें सलाह दी कि वे उस पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचार दें।
- च. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन पत्र की एक प्रति, जहां भी अनुरोध किया गया था, हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई।
- छ. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, संबद्ध देश में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी:
 - क) एफसीआरआई
 - ख) ऑकेरोला ग्रुप
 - ग) जीबो हुआओ सेरामिक मैटेरियल्स कं. लि.
 - घ) जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि.
 - ङ) मेगा सेरामिक
 - च) यी जिक हुआ बाओ सेरामिक टैक्नोलॉजी कं. लि.
 - छ) सीन रोलर जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि.
- ज. जांच की शुरुआत करने की अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने कानूनी अनुरोधों के साथ प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:
 - क) एफसीआरआई (पिंगजियांग) साइंस एंड टैक्नोलॉजी
 - ख) इंडस्ट्रियल पार्क कं. लि.
 - ग) एफसीआरआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
 - घ) जीबो हुआयान इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.
 - ङ) जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि.
 - च) बॉक्सिंग काउंटी जिनरूजी न्यू मैटेरियल कं. "लि." (उत्पादक)

- छ) जीबो कोन्ना ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक)
- ज) एफसीआरआई (ननहाई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि.
- झ) गुआंगडोंग किंग-स्ट्रांग न्यू मैटेरियल टेक्नोलॉजी कं. लि.
- ञ) फोशान स्काईप्लानेट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- ट) हाई होप झोंगदींग कारपोरेशन
- ठ) जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि.
- झ. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित जात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गई थी:
- क) गुजरात ग्रेनाइट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन
- ख) सबरकंथा डिस्ट्रिक्ट सेरामिक एसोसिएशन
- ग) ऑल केरला टाइल्स एंड सेनिटरी वेयर डीलर्स एसोसिएशन
- घ) इंडियन काउंसिल ऑफ सेरामिक टाइल्स एंड सेनिटरी वेयर
- ञ. किसी भी आयातक/प्रयोक्ता एसोसिएशन ने जांच की शुरुआत की अधिसूचना के उत्तर में आयातक प्रश्नावली दायर नहीं की।
- ट. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुले में रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रुपांतर उपलब्ध कराया। इस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कई बार हितबद्ध पक्षकारों ने किया। जिन हितबद्ध पक्षकारों ने निरीक्षण और सार्वजनिक फाइल से दस्तावेजों की प्रतियों के लिए अनुरोध किया था, उन्हें वे उपलब्ध कराई गई।
- ठ. प्राधिकारी ने, जहां आवश्यक था, वहां उचित जांच के बाद गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया और वह सूचना गोपनीय मानी गई तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रुपांतर उपलब्ध कराएं जिसे सार्वजनिक फाइल के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था।
- ड. इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़ों का सत्यापन वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया था।
- ढ. जांच 2013-14, 2014-15, 2015-16 और जांच की अवधि को लेते हुए क्षति विश्लेषण के साथ अप्रैल, 2016 - मार्च, 2017 (12 माह) (जिसे यहां आगे "जांच की अवधि" अथवा "पीओआई" कहा गया है) के लिए की गई थी।
- ण. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशक (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे पिछले तीन वर्षों तथा जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के ब्यौरे दें तथा उपर्युक्त सूचना डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त की गई थी एवं वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए अपनाई गई है।
- त. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत निकालने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित दिशा-निर्देशों के आधार पर यथासंभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना की जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि पाटनरोधी शुल्क पाटन मार्जिन से कम है तो वह घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- थ. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 23 जनवरी, 2018 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान किए जिसमें विभिन्न पक्षकारों ने भाग लिया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रकट किए, उन सभी से अनुरोध किया गया कि वे

अन्य के बाद प्रत्युत्तर दायर करने के लिए विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के साथ पारस्परिक आदान-प्रदान के लिए इन विचारों को लिखित रूप में दायर करें।

- द. इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध, जहां भी संगत पाए गए, प्राधिकारी द्वारा इस दस्तावेज में हल किए गए हैं।
- ध. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।
- न. नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी ने 08 मार्च, 2018 को जारी प्रकटन विवरण द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान जांच के अनिवार्य तथ्य प्रकट किए और उन्हें सलाह दी कि वे प्रकटन विवरण पर 14 मार्च, 2018 तक टिप्पणियां दायर करें। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों को, जहां तक संगत माना गया है, इस जांच परिणाम में हल कर दिया गया है।
- प. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है या जांच में काफी बाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतिम परिणाम रिकार्ड किए गए हैं।
- फ. इस दस्तावेज में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।
- ब. जांच की अवधि के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनायी गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 67.95 रुपये है।
- ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु
 - ग.1 घरेलू उद्योग के विचार
 3. घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं:
 - क) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद "सेरामिक रोलर" अथवा "रोलर्स" है (बाजार क्षेत्र में सेरामिक पाइप अथवा ट्यूब के रूप में भी जाना जाता है) और किलन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक टाइलों को ले जाने के लिए रोलर हर्थ किलन में प्रयुक्त किया जाता है। उन्हें आपस में घुमाकर रोलर टाइलों को एक सिरे से दूसरे सिरे तक ले जाने देते हैं। सेरामिक रोलर का प्रयोग उन उद्योगों में भी किया जाता है, जो स्टेनलेस स्टील बर्तनों के विनिर्माण के लिए एसएस (स्टेनलेस स्टील) पट्टियां/पट्टा बनाते हैं। यह सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत वर्गीकृत है।
 - ख) आयात आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि आयातकों ने विचाराधीन उत्पाद के आयात के लिए निम्नलिखित विवरण का प्रयोग किया है। अतः याचिकाकर्ता इन सभी विवरणों पर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के रूप में विचार किए जाने का अनुरोध करता है:
 - 1) सेरामिक रोलर
 - 2) हाई टेम्प्रेचर सेरामिक रोलर्स
 - 3) रिफ्रेक्टरी सेरामिक रोलर
 - 4) सेरामिक रिफ्रेक्टरी रोलर-रोलर
 - 5) स्प्रिंग के साथ किलन मशीनरी सेरामिक रोलर के लिए पुर्जे, आदि।
 - ग) रोलरों से निरीक्षण, एक सतत चक्र में की जाने वाली पैकिंग सहित करने पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक सामग्री ले जा सकते हैं। रोलर हर्थ किलन में प्रयुक्त सेरामिक रोलरों को उत्कृष्ट थर्मल शॉफ्ट प्रतिरोधकता, उच्च एल्युमिना कंटेंट जैसे

विशिष्ट मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकता होती है। रोलरों में सीधापन सुनिश्चित करने के लिए सीधेपन की सहायता बड़ी कठोरता से बनाई रखी जाती है।

- घ) ग्राहक की आवश्यकता के आधार पर विभिन्न प्रकार के रोलर उत्पादित किए जाते हैं जिन्हें रोलर के डायमीटर के आधार पर तथा रोलर की लंबाई के आधार पर भिन्न किया जा सकता है। रोलर में भिन्न-भिन्न घनत्व कच्ची सामग्री के संघटन और प्रक्रिया मानदंडों पर नियंत्रण कर प्राप्त किया जाता है। तथापि, प्रत्येक उत्पादक ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार भिन्न-भिन्न प्रकार के रोलर उत्पादित कर सकता है।
- ङ) आयात आंकड़ों के आधार पर यह देखा जाता है कि रोलरों का न्यूनतम एवं अधिकतम डायमीटर तथा रोलरों की लंबाई निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए अनुसार है। यह तालिका याचिकाकर्ता का उत्पाद स्वरूप भी दर्शाती है:

	अधिकतम आयाम	
चौड़ाई	लंबाई	चौड़ाई
घरेलू उद्योग	5800 मि. मी.	65 मि. मी.
आयात	4950 मि. मी.	65 मि. मी.

- च) याचिकाकर्ता का प्रोफाइल चीनी आपूर्तिकर्ताओं के प्रोफाइल से तुलनीय है। याचिकाकर्ता ने चीनी उत्पादकों द्वारा उत्पादित एवं आपूर्ति किए गए रोलरों की तुलना में अधिक लंबाई के रोलर उत्पादित किए हैं।
- छ) जहां तक उत्पादन प्रक्रिया में तथाकथित अंतर का संबंध है, याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि जबकि प्रत्येक विनिर्माता अपनी विनिर्माण प्रक्रिया में सही है, तो चीनी उत्पादकों द्वारा भारत में निर्यातित उत्पाद भी अधिकतर उसी प्रक्रिया का है जो कि याचिकाकर्ता ने अपनाई है। अपवादात्मक स्थिति का चीन में एक सामान्य व्यापारिक परिपाटी/स्थिति के रूप में तर्क नहीं दिया जा सकता, जैसा कि निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। भारत में महत्वपूर्ण आयात उसी किस्म के रोलरों के हैं, जिस किस्म के रोलर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित किए जाते हैं।
- ज) जहां तक चीन चैंबर ऑफ इंटरनेशनल कॉमर्स द्वारा बताई गई प्रक्रिया का संबंध है, याचिकाकर्ता समान वस्तु का उत्पादन और आपूर्ति करता है।
- झ) उन्होंने स्वयं स्वीकार किया है, उनके द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद पैटेंट युक्त प्रक्रिया के हैं। यदि प्रक्रिया पैटेंट युक्त है, तो यह सिद्ध करता है कि अन्य उत्पादक उसी प्रक्रिया का इस्तेमाल कर उस उत्पाद की आपूर्ति नहीं कर सकते। अतः अन्य उत्पादकों को भिन्न प्रक्रिया अपनानी होती है। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह संगत है कि क्या याचिकाकर्ता ने आयातित उत्पाद की समान वस्तु का उत्पादन किया है। भिन्न प्रक्रिया अपनाकर याचिकाकर्ता ने समान वस्तु का उत्पादन किया है और यह कि वर्तमान प्रयोजनों के लिए वह अकेला ही संगत है।
- ञ) गुणवत्ता के संबंध में आयातक की तथाकथित शिकायत बहुत पुरानी है तथा उस अवधि से संबंधित है जब याचिकाकर्ता केवल पहले किलन का प्रचालन कर रहा था, याचिकाकर्ता ने 2015 के प्रारंभ में दूसरे किलन को शुरू किया। अतः गुणवत्ता संबंधी शिकायतों का कोई प्रश्न नहीं है, क्योंकि याचिकाकर्ता ने दूसरा किलन स्थापित करते समय इस पहलू का विशेष रूप से ध्यान रखा है। दूसरा किलन भारत में चीनी उत्पादकों द्वारा उत्पादित एवं निर्यातित संबद्ध सामानों की गुणवत्ता की तरह समान गुणवत्ता के संबद्ध सामानों का उत्पादन करता है।
- ट) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने बार-बार माना है कि पाटनरोधी मामलों में गुणवत्ता में अंतर संगत विचार नहीं है। चाहे आयातित उत्पाद बेहतर अथवा कम गुणवत्ता का हो। विशेष रूप से एथिलीन प्रोपलीन डाइन रबर (ईपीडीएम) के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने माना है कि गुणवत्ता पाटनरोधी मामलों में संगत विचार नहीं है।

4. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. प्राधिकारी को अत्यधिक तापमान पर प्रयोग के लिए अपेक्षित सेरामिक रोलरों, यथा - एस-6000 के सुपर हाई टेम्प्रेचर सेरामिक रोलर (जीएफ-98) तथा एस-5000 (जीएफ-95) (जिसे यहां आगे जीएफ-98 और जीएफ-95 कहा गया है) को अलग करना चाहिए। उत्पाद जीएफ-98 और जीएफ-95 सेरामिक रोलर एफसीआरआई ग्रुप (उत्तरदाता) के राष्ट्रीय पेटेंट के तहत माने जाते हैं। चूंकि, ये उत्पाद पेटेंट युक्त हैं, अतः याचिकाकर्ता उपर्युक्त उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए सक्षम नहीं है।
- ख. याचिकाकर्ता के उत्पाद और उत्तरदाता के उत्पाद भिन्न-भिन्न उपस्करों और भिन्न-भिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर बनाए जाते हैं। अंतिम उत्पाद पूर्णतः भिन्न हैं। अतः दोनों के उत्पाद तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से भिन्न हैं। उत्तरदाता के उत्पादों में प्रमुख तकनीकी विशेषताएं हैं, परंतु याचिकाकर्ता के उत्पादों में उनका अभाव है और ये निम्नलिखित हैं:
 - उच्चतर तापमान पर भार वहन क्षमता
 - सेरामिक रोलरों की लीनियरिटी
 - उच्चतर घनत्व
 - थर्मल शॉफ्ट प्रतिरोधकता
- ग. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को बहुत ही व्यापक रूप से परिभाषित किया है और यह स्पष्ट नहीं है कि इस्पात के बर्तनों का विनिर्माण करने के लिए स्टेनलेस स्टील स्ट्रिप, ऑटोग्लास के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त सेरामिक रोलर भी विचाराधीन उत्पाद का भाग हैं। विचाराधीन उत्पाद को संकीर्ण रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए ताकि सीमा शुल्क पत्तनों पर उचित कार्यान्वयन हो सके।
- घ. चीनी उत्पादन प्रक्रिया में कोल्ड आइसोस्टेटिक प्रक्रिया शामिल है जो भौतिक गुणधर्म में सुधार लाती है और अधिक घनत्व तथा बेहतर थर्मल शॉफ्ट प्रतिरोधकता निष्पादन देती है जिससे उत्पाद की गुणवत्ता में अंतर आता है। अतः वे सीधे ही प्रतिस्पर्द्धी नहीं हैं।
- ङ. भारतीय उद्योग लंबाई में 4000 मि. मी. से कम के सेरामिक रोलरों का उत्पादन करने में ही सक्षम हैं। अतः वह केवल कम तापमान के सामान्य किलनों के लिए ही उपयुक्त है। इसलिए, भारतीय सेरामिक रोलरों का प्रयोग मुख्य रूप से लो एंड सेरामिक टाइलों के उत्पादन के लिए किया जाता है। चीनी उत्पादक 5220 मि. मी. की अधिकतम लंबाई वाले कम घनत्व वाले और बेहतर थर्मल शॉफ्ट प्रतिरोधकता वाले सेरामिक रोलरों का उत्पादन करने में सक्षम हैं। अतः उनका इस्तेमाल हाई एंड पोर्सलेन टाइलों के लिए किया जाता है।
- च. विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र प्रतिबंधित होना चाहिए और उसमें वे उत्पाद शामिल नहीं होने चाहिए जिन्हें भारतीय उत्पादक उत्पादित नहीं कर सकता अथवा जिसका उन्होंने अब तक उत्पादन नहीं किया है, यथा – अल्ट्रा हाई टेम्प्रेचर सेरामिक रोलर्स, अल्टार लो सेरामिक रोलर्स, जो अधिकतम लंबाई से अधिक हों, जिसका कि भारतीय उत्पादक उत्पादन कर सकता है, कंबाईड कॉर्डेराइट कूलिंग रोलर्स तथा समायोजित रोलर।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

5. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद "सेरामिक रोलर" अथवा "रोलर" है (बाजार क्षेत्र में सेरामिक पाइप अथवा ट्यूब के रूप में भी जाना जाता है) और किलन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक टाइलों को ले जाने के लिए रोलर हर्थ किलन में प्रयुक्त किया जाता है। उन्हें आपस में घुमाकर रोलर टाइलों को एक सिरे से दूसरे सिरे तक ले जाने देते हैं। सेरामिक रोलर का प्रयोग उन उद्योगों में भी किया जाता है, जो स्टेनलेस स्टील बर्तनों के विनिर्माण के लिए एसएस (स्टेनलेस स्टील) पट्टियां/पट्टा बनाते हैं। यह सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत वर्गीकृत है।
6. सेरामिक रोलर का प्रयोग मुख्य रूप से किलन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक टाइलों को ले जाने में किया जाता है। उन्हें आपस में घुमाकर रोलर टाइलों को एक सिरे से दूसरे सिरे तक ले जाने देते हैं।

7. सेरामिक रोलर की तकनीकी आवश्यकताएं निम्नलिखित कारणों से इन वर्षों में बदल रही हैं:
- अधिक फायरिंग तापमान
 - फायर की जा रही भारी टाइलें
 - टाइलों की बड़ी हुई लंबाई, चौड़ाई और मोटाई
 - क्लिन की ही अधिक लंबाई
 - फायरिंग साइकिल का तीव्र समय
8. पेटेंट युक्त उत्पादों, जिनका प्रयोग अधिक फायरिंग तापमान में किया जाता है, को हटाने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों का तर्क स्वीकार्य नहीं है क्योंकि केवल इस तथ्य कि या तो उत्पाद या प्रक्रिया पेटेंट युक्त है, का अभिप्राय यह नहीं हो सकता कि उसे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया जाए। प्राधिकारी को यह निर्धारित करना है कि क्या संबद्ध देश से आयात और घरेलू उद्योग का उत्पाद समान वस्तु हैं। याचिकाकर्ता ने यह दर्शाने के लिए साक्ष्य दिए हैं कि उनके द्वारा विनिर्मित उत्पाद उन उपभोक्ताओं द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे हैं जो उच्च फायरिंग तापमान में प्रयोग के लिए आवश्यकता रखते हैं।
9. निर्दिष्ट प्राधिकारी को दूसरी उस वस्तु पर भी विचार करने की अपेक्षा है जिसकी विशेषताएं आयातित विचाराधीन उत्पाद के काफी समान हैं और जिसका उत्पादन एवं आपूर्ति समान प्रयोग के लिए घरेलू उद्योग द्वारा की जाती है। घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है और इसीलिए पेटेंट युक्त उत्पाद को हटाया नहीं जा सकता।
10. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि अन्य अनुप्रयोगों के लिए सेरामिक रोलर्स को हटाया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने इसे अलग किए जाने की मांग करते समय यह सिद्ध नहीं किया है और यहां तक कि दावा नहीं किया है कि भिन्न-भिन्न अनुप्रयोगों में प्रयुक्त सेरामिक रोलर्स में अंतर है। इस प्रकार, अन्य अनुप्रयोगों में प्रयुक्त सेरामिक रोलर्स को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से हटाने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध में कोई औचित्य नहीं है।
- घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार
- घ.1 घरेलू उद्योग के विचार
11. घरेलू उद्योग के क्षेत्र एवं आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- वर्तमान याचिका फ्यूचरा सेरामिक्स द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता न तो भारत में आयातक से और न ही संबद्ध देशों के निर्यातक से संबंधित है और न ही याचिकाकर्ता ने नियम 2(ख) के अभिप्राय से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। याचिकाकर्ता का उत्पाद भारतीय उत्पाद का प्रमुख अनुपात है। अतः याचिकाकर्ता ने आधार की आवश्यकता को पूरा किया है और वह पाटनरोधी नियमावली के अभिप्राय से घरेलू उद्योग है।
 - अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन आंकड़े बाजार आसूचना पर आधारित हैं। याचिकाकर्ता की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, अन्य उत्पादकों के उत्पादन आंकड़े प्रतिनिधिकारक हैं और वास्तविक आंकड़ों में कोई भी विचलन, वस्तुतः यह प्रकट करेगा कि उनका वास्तविक उत्पादन कम है, जैसा कि याचिकाकर्ता ने एक परंपरागत अनुमान माना है।
 - देश में संबद्ध सामानों का एक अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् स्टार्क एल्युमिनिगर्स प्रा. लि. है जिसका उत्पादन जांच की अवधि के दौरान शून्य है।
- घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार
12. घरेलू उद्योग के आधार एवं क्षेत्र के संबंध में, उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए:
- याचिकाकर्ता ने सेरामिक रोलर्स के अन्य भारतीय उत्पादकों के नाम उन्हें गोपनीय मानकर छिपाये हैं (याचिका का अनुबंध-2.2)। क्षति संबंधी सूचना के प्रपत्र IV क-1 में दिए गए आंकड़े जांच की अवधि के दौरान अन्य भारतीय

उत्पादकों द्वारा की गई कोई बिक्री नहीं दर्शाते हैं। इस सूचना की कमी का क्षति के निर्धारण पर तथा भारत में मांग के संबंध में संबद्ध सामानों के आयातों के स्तर पर स्पष्ट प्रभाव है।

ख. उत्तरदाता भारतीय उत्पादकों के छिपाये गए नाम खोलने की मांग करते हैं क्योंकि इसके अभाव में क्षति के निर्धारण और आयात के स्तर पर प्रभाव पड़ा है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. वर्तमान याचिका फ्यूचरा सेरामिक्स द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता न तो भारत में आयातक से और न ही संबद्ध देशों के निर्यातक से संबंधित है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता ने नियम 2(ख) के अभिप्राय से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। देश में संबद्ध सामानों का एक अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् स्टार्क एल्युमिनिगर्स प्रा. लि. है जिसने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं किया।

14. इस प्रकार, याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का प्रमुख अनुपात है क्योंकि वह यथा तथ्यतः जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है। उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी याचिकाकर्ता को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से पात्र घरेलू उद्योग के रूप में मानने का प्रस्ताव करते हैं और आवेदन पत्र उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंड को पूरा करता है।

ङ. गोपनीयता एवं अन्य मुद्दे

ङ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

15. गोपनीयता एवं अन्य मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क) याचिकाकर्ता जांच की अवधि में एकमात्र याचिकाकर्ता है और इस प्रकार उसकी सूचना उत्पादन, बिक्री आदि जैसे मात्रात्मक मानदंडों के संदर्भ में भी प्रकट नहीं की गई है क्योंकि वे सार्वजनिक पटल पर नहीं हैं। तथापि, याचिकाकर्ता ने, जहां भी संभव हुआ है, सूचीबद्ध सूचना प्रदान की है।
- ख) याचिकाकर्ता ने जांच की शुरुआत किए जाने का औचित्य देते हुए पर्याप्त सूचना दी है। याचिकाकर्ता ने आवेदन प्रपत्र के तहत अपेक्षित समस्त सूचना दी है। जहां तक लेख में कई मानदंडों के मूल्यांकन की विफलता का संबंध है, याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि याचिकाकर्ता के लिए आवेदन पत्र में निहित सभी मानदंडों का मूल्यांकन करना आवश्यक नहीं है। याचिकाकर्ता का दायित्व सभी संगत सूचना देना है जो उसने किया है।
- ग) आयात आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि आयातों का प्रयोग विचाराधीन उत्पाद का आयात करने के लिए निम्नलिखित यूनिट मापों द्वारा किया गया है। याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित सिद्धांत को लागू करते हुए भार के संबंध में भार आधार पर सूचित न किए गए इन सभी आयातों को व्यक्त किया है:

क्रम सं.	यूनिट	भार में बदलने के लिए प्रयुक्त सिद्धांत
1	पीसीएस	वजन = वजन प्रति एम. * लंबाई * पीसी की सं.
2	एनओएस	वजन = वजन प्रति एम. * लंबाई * सं.

जहां: भार/एम = रोलर के प्रत्येक ओडी के लिए प्रति मीटर मानक भार

लंबाई = विवरण से लिए आयातित उत्पाद की मीटर में लंबाई

उपर्युक्त किलोग्राम को छोड़कर अन्य यूनिट को किलोग्राम में बदलने के लिए अपनाए गए सिद्धांत को पर्याप्त रूप से वर्णित करता है।

- घ) उपर्युक्त डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े गोपनीय आंकड़े हैं और इसीलिए उन्हें परिकलित नहीं किया जा सकता। हितबद्ध पक्षकार यदि चाहे तो डीजीसीआईएंडएस से लेन-देन वार आंकड़े लेने के लिए स्वतंत्र हैं। 08 दिसंबर, 2017 की व्यापार सूचना एफ सं. 4/2/2017 में संदर्भ दिया गया है।

- ड) याचिकाकर्ता ने अपेक्षित सभी सूचना प्रदान की है और गोपनीयता का दावा केवल वहीं किया गया है, जहां वह आवश्यक है। याचिकाकर्ता एकमात्र याचिकाकर्ता और जांच की अवधि में एकमात्र उत्पादक है और इस प्रकार उसकी सूचना मात्रात्मक मानदंडों के संदर्भ में भी प्रकट नहीं की गई है। ऐसी अत्यधिक व्यापार संवेदनशील सूचना को प्रकट करना प्रतिस्पर्द्धियों और उपभोक्ताओं के लिए काफी प्रतिस्पर्द्धी लाभ की होगी तथा याचिकाकर्ता कंपनी के हित पर गंभीर प्रभाव डालेगी।
- च) सूचीबद्ध सूचना, जहां भी संभव हुआ है, दी गई है। क्षति विश्लेषण अनिवार्य रूप से उस प्रवृत्ति का विश्लेषण है, जो याचिका में दिए गए विभिन्न मानदंडों की प्रवृत्ति के माध्यम से आसानी से देखे जा सकते हैं।
- छ) केवल इस तथ्य कि प्राधिकारी जांच की शुरुआत पर भिन्न-भिन्न जांच की अवधि को चुनते हैं, का अर्थ यह नहीं है कि याचिकाकर्ता को याचिका दोबारा दायर करनी चाहिए। याचिका नियम 5 के तहत दायर की जाती है और जांच नियम 6 के तहत की जाती है। नियम 5 के तहत आवश्यकताएं नियम 6 के तहत आवश्यकताओं से भिन्न हैं।
- ज) जांच की शुरुआत पर प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्णित जांच की अवधि पर विचार करते हुए सूचना को अद्यतन करें। स्पष्टीकरण के साथ अद्यतन याचिका दायर करने की कोई आवश्यकता नहीं है। याचिकाकर्ता का दायित्व है कि वह अद्यतन जांच की अवधि के लिए सभी संगत सूचना प्रदान करे, जो किया गया है। थाइलैंड – एच – बीएम डब्ल्यूटी/डीएस122/आर दिनांक 28 सितंबर, 2000 के मामले में डब्ल्यूटीओ पैनल रिपोर्ट का संदर्भ दिया जाता है।

इ.2 विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

16. गोपनीयता और अन्य मुद्दों के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. याचिकाकर्ता का अत्यधिक गोपनीयता का दावा घरेलू उद्योग का कुल भारतीय उत्पादन, निर्यात बिक्री (मात्रा एवं मूल्य), घरेलू बिक्री (मात्रा एवं मूल्य), भारतीय मांग आदि के संबंध में एडीए तथा पाटनरोधी नियमावली के संगत अनुच्छेदों एवं नियमों का उल्लंघन करता है।
- ख. दी गई सूचना पाटनरोधी कार्रवाई शुरू करने के लिए पर्याप्त नहीं है। याचिका में आरोप अधिकतर अनुमानों और अवधारणाओं पर आधारित हैं। प्राधिकारी याचिका का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने में विफल रहे अन्यथा उन्होंने यह माना होता कि याचिका में अपर्याप्त आंकड़े दिए गए हैं।
- ग. याचिका में इस संबंध में स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने कच्चे आंकड़ों से आयात सांख्यिकी का संश्लेषण कैसे किया और अद्यतन रूपांतर गैर संबद्ध उत्पाद से संबद्ध उत्पाद को अलग करने के संबंध में कुछ नहीं बताती। चूंकि, उत्पाद का भार उसकी गुणवत्ता के आधार पर अलग-अलग है, अतः याचिकाकर्ता द्वारा उपयोग में लाए गए फॉर्मूले के आधार पर माप की यूनिट लागू नहीं की जा सकती। इस प्रकार, प्राधिकारी से यह अनुरोध है कि वे याचिकाकर्ता को छांटें गए आंकड़ों के निर्माण के संबंध में स्पष्टीकरण प्रदान करने का निर्देश दें।
- घ. डीजीएडी से अनुरोध है कि वे उन आयात आंकड़ों को उपलब्ध कराएं जो अद्यतन याचिका और मूल याचिका में गोपनीयता के दावे के बिना रोक कर रखे गए हैं, यह जांच की अवधि के अनुरूप नहीं है।
- ड. आरंभिक तौर पर अपूर्ण याचिका प्रस्तुत करने के बाद याचिकाकर्ताओं ने याचिका का कोई अद्यतन रूपांतर उपलब्ध नहीं कराया है; केवल अद्यतन आंकड़े दिए हैं जिन्हें याचिका के लिए प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता क्योंकि सहायक विश्लेषण में इनका अभाव है।
- च. इसके अतिरिक्त, दिए गए अद्यतन आंकड़े अपने आप में अपूर्ण हैं; वर्तमान जांच के आलोक में उन्हें रद्द किया जाए क्योंकि याचिकाकर्ता के पास अद्यतन रूपांतर दायर करने का पर्याप्त समय था, परंतु उसने अद्यतन आंकड़ों का अपूर्ण रूपांतर ही प्रस्तुत किया है।

इ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

17. सूचना के गोपनीयता के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना की जांच पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुसार गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे सार्वजनिक फाइल में खुला नहीं रखा गया है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम एवं अपनी सतत परिपाटी के अनुसार, अन्य हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीय दावों पर भी विचार किया है।
 18. प्राधिकारी का यह मत है कि स्पष्टीकरण के साथ अद्यतन याचिका दायर करने की कोई आवश्यकता नहीं है। याचिकाकर्ता का दायित्व है कि वह अद्यतन जांच की अवधि के लिए सभी संगत सूचना प्रदान करे जो किया गया है।
 19. आयात आंकड़ों के प्रावधान के लिए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी यह उल्लेख करना चाहेंगे कि व्यापार सूचना एफ. सं. 7/2018 दिनांक 15 मार्च, 2018 में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी लिखित अनुरोध के आधार पर अधिकृत आवेदक को लेन-देन वार आयात आंकड़े प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत करेंगे। अतः यह हितबद्ध पक्षकारों पर है कि वे विक्षेपण के लिए लेन-देन वार आंकड़े प्राप्त करने हेतु प्राधिकारी से मांग करें।
 20. जहां तक याचिकाकर्ता द्वारा दी गई कम सूचना संबंधी तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा आवेदन पत्र में दी गई सूचना निर्धारित प्रपत्र के अनुसार थी और केवल मामले के औचित्य की संतुष्टि पर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच की शुरुआत की।
 21. याचिकाकर्ता ने भार के संदर्भ में भार आधार पर सूचित न किए गए इन सभी आयातों को व्यक्त किया है। याचिकाकर्ता ने भार प्रति मीटर सहित मानक भार संबंधी टिप्पणी दी है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि यह सिद्धांत संगत है और इसीलिए वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए उस पर विश्वास किया गया है।
- च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण
- च.1 घरेलू उद्योग के विचार
22. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - क. चीन के अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15(ख) का अभिप्राय यह है कि खंड 15(क)(ii) के प्रावधान चीनी अभिगम की तारीख से 15 वर्ष में समाप्त हो जाएंगी अर्थात् इस पैराग्राफ के प्रावधान 15 वर्ष अर्थात् दिसंबर, 2016 तक के लिए उपलब्ध होंगे। इसका अर्थ यह है कि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लागत एवं कीमतों पर विचार करना होगा।
 - ख. वर्तमान मामले में प्राधिकारी द्वारा मानी गई जांच की अवधि अप्रैल, 2016 - मार्च, 2017 (12 माह) है। क्षति जांच अवधि 2013-14, 2014-15, 2015-16 और जांच की अवधि मानी गई है।
 - ग. जांच की अवधि के निर्धारण का प्रयोजन उस अवधि पर विचार करना है जब क्षति पहुँचाने वाले पाटन की मौजूदगी का दावा किया गया है और उसे सिद्ध किया गया है। निर्धारण की तारीख घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटन के प्रश्न को आगे बढ़ाने के लिए संगत नहीं है। चूंकि, घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, अतः अकेले जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियों को इस प्रयोजन के लिए संगत, उपयुक्त और आवश्यक माना जाना चाहिए।
 - घ. चीनी उत्पादकों को इस कारण गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियां माने जाने की आवश्यकता है कि चीन में लागत एवं कीमतें बाजार बलों को उपयुक्त रूप से नहीं दर्शाती। अनुबंध-1 का पैरा 8 मानदंडों का उल्लेख करता है जिन पर बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। इसका मतलब भी यही है कि जब तक ये शर्तें पूरी अथवा संतुष्ट न हो जाएं, चीनी लागतों और कीमतों को नहीं अपनाया जा सकता।
 - ङ. बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर मानना जांच की अवधि के दौरान विद्यमान मानदंडों पर आधारित है। चूंकि, चीनी लागतों और कीमतों को रद्द करने के कारण अनुबंध-1 के पैरा 8 में सूचीबद्ध कारकों के कारण चीन में लागतों और

कीमतों में कमी है, अतः याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि जांच की अवधि ही वह अवधि है, जो चीनी उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियां मानने के निर्णय के लिए संगत है।

- च. चूंकि, चीनी कंपनियों को दिसंबर, 2016 तक अनुबंध-1 के पैरा 8 में उल्लिखित कारणों से बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर नहीं दिया गया था, अतः याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि चूंकि, जांच की अवधि प्रमुख रूप से अभिगम नयाचार की समाप्ति से पहले की अवधि से संबंधित है, अतः चीनी उत्पादकों को तब तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियां माने जाने की आवश्यकता है जब तक जांच की अवधि में एसेसन ट्रिटी प्रोटोकॉल में निर्दिष्ट अवधि शामिल न हो जाए।
- छ. नियम 2(ख) के संदर्भ में यह सुस्थापित कानूनी स्थिति है कि किसी भी घरेलू उत्पादक अथवा निर्यातक के साथ उसके संबंधी अथवा आयातक द्वारा आयातों की जांच, जांच की अवधि के संदर्भ में है। यदि आधार प्रयोजन के लिए जांच की अवधि ही संगत है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जांच की अवधि ही संगत होनी चाहिए।
- ज. चीनी उत्पादकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था परिवेश के तहत प्रचालन करने वाली कंपनियां माने जाने की आवश्यकता है तथा प्राधिकारी अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्यवाही कर सकते हैं।
- झ. सामान्य मूल्य इस कारण से बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता कि संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। याचिकाकर्ताओं ने भारत में विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य मानने का दावा किया है।
- ञ. चीन से पाटन मार्जिन केवल काफी नहीं है, अपितु इस प्रकार भारत में विचाराधीन उत्पाद के काफी पाटन की मौजूदगी सिद्ध करते हुए पर्याप्त भी है। चीन से आयात की मात्रा पूरी वर्तमान जांच की अवधि में काफी रही है।
- ट. चूंकि, संबद्ध सामानों के उत्पादकों की कीमतें/कोटेशन घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रयासों के बावजूद सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थे, अतः घरेलू उद्योग ने प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत को देखकर भारत में उत्पादन लागत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे याचिकाकर्ताओं के उपभोग मानदंडों पर विचार करते हुए तथा बिक्री सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय को विधिवत समायोजित किया है।
- ठ. याचिकाकर्ता ने भारत में संबद्ध आयात की मात्रा और मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से लिए गए लेन-देन वार आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। निर्यात कीमत, सीआईएफ पर परिकलित की जाती है जबकि सामान्य मूल्य, कारखानागत स्तर पर होने के नाते निर्यात कीमतें, समुद्री भाड़ा, समुद्री वीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन व्यय, वेब समायोजन और बैंक प्रभार पर हुए खर्चों के लिए समायोजित किया गया है।
- ड. उपर्युक्त समायोजनों के बाद निवल निर्यात कीमत जांच की शुरुआत के उत्तर में पूर्व में किए गए अनुरोधों के साथ संलग्न की गई है। जहां भी घरेलू उद्योग संगत साक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाया, घरेलू उद्योग ने सर्वाधिक रुढ़िवादी आंकलन अपनाए हैं और अनुरोध है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम से काफी कम है, यदि सभी कीमत समायोजनों की उपेक्षा की जाए।
- ढ. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसके ब्यौरे पूर्व में याचिका में संलग्न किए गए हैं। पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक ही नहीं है बल्कि काफी भी है।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

23. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/ आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. यह कि डब्ल्यूटीओ के चीनी अभिगम संबंधी नयाचार के संगत प्रावधानों के अनुसार पाटनरोधी कार्रवाई में "प्रतिनिधि देश" परिपाटी की 11 दिसंबर, 2016 से बहुपक्षीय कानूनी आधार में कमी होनी चाहिए। यह परिपाटी तभी से समाप्त होने के लिए बाध्य है, अतः हम भारतीय जांच प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे इस मामले के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए "प्रतिनिधि देश" के सिद्धांत का प्रयोग न करें, जिसमें चीन को एक बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने पर ध्यान न दिया जाए।
- ख. "पट्टा सेंट सेटवंडा" अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत एक मूलभूत सिद्धांत एवं दायित्व है जिसका अर्थ यह है कि कोई भी पक्षकार राजनीतिक बातों से अथवा चीनी उद्योगों को भेदभावपूर्ण कार्रवाईयों के साथ माने जाने के लिए घरेलू कानूनों के बहाने से अंतर्राष्ट्रीय संधियों के तहत अपने दायित्व से नहीं बच सकता, जो कि अनुचित, न्यायहीन और अनुपयुक्त है।
- ग. चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और भारत को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में उसे मानकर अपने दायित्व को पूरा करना चाहिए और कानूनी तौर पर "प्रतिनिधि देश" के दृष्टिकोण का प्रयोग करना बंद करना चाहिए। फास्टनर मामले में एबी रिपोर्ट का संदर्भ दिया जाता है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

च.3.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण – चीन

24. जहां तक चीन के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियां वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए अकेले संगत, उपयुक्त और आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2016 – मार्च, 2017 है। चूंकि, अनुच्छेद 15 का उप पैरा जांच की अधिकतर अवधि के दौरान मौजूद था, अतः प्राधिकारी उस सिद्धांत का प्रयोग कर सकते हैं जो चीन में घरेलू लागतों अथवा कीमतों की शक्ति से तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह न दर्शा सकें कि विनिर्माण, उत्पादन और उस उत्पाद की बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं।
25. यह भी नोट किया जाता है कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन. गण. को नियमावली के संदर्भ में निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा अवधारणा के खंडन के अध्यधीन गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।
26. जांच की शुरुआत के स्तर पर प्राधिकारी ने इस अवधारणा से कार्यवाही की कि चीन जन. गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। जांच की शुरुआत करने पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दी कि वे जांच की शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर के निर्धारण के लिए संगत सूचना दें। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में उल्लिखित मानदंडों के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वह चीन में अपने उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दें।
27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ज्ञात चीनी उत्पादकों/निर्यातकों तथा चीन सरकार को निर्धारित प्रपत्र एवं तरीके से सूचना प्रस्तुत करने की आवश्यकता के संबंध में पर्याप्त रूप से अधिसूचित किया गया है तथा उन्हें इस संबंध में अपने अनुरोध देने के लिए पर्याप्त अवसर भी प्रदान किया गया था। एमईटी प्रश्नावली का उत्तर एवं चीन चैंबर ऑफ इंटरनेशनल कॉमर्स द्वारा ही दायर किया गया है। चूंकि, चीन चैंबर ऑफ इंटरनेशनल कॉमर्स स्वयं न तो संबद्ध सामानों का उत्पादक है और न ही निर्यातक है, अतः प्राधिकारी वर्तमान जांच में चीन जन. गण. को एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानना उपयुक्त समझते हैं तथा चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई करते हैं।
28. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू बिक्री कीमतों अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत

सहित किसी अन्य देश को निर्यात कीमतों के आधार पर निर्धारित किए जाने की आवश्यकता होती है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य उपयुक्त आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित कर सकते हैं जिसमें उपयुक्त लाभ मार्जिन विधिवत रूप से समायोजित करके समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में दी गई अथवा देय कीमत सहित कीमत शामिल है।

29. उपर्युक्त के मद्देनजर, चीन जन. गण. से भारत में आयातित संबद्ध उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विचार कर तथा बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय और उपयुक्त लाभ मार्जिन के बाद "किसी अन्य आधार" पर निर्धारित किया गया है। तदनुसार, सामान्य मूल्य जांच की अवधि के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन बनता है।

च.3.2 एफसीआरआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के माध्यम से निर्यातित एफसीआरआई ग्रुप मैसर्स एफसीआरआई (ननहाई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि.; एफसीआरआई (सिहुई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि.; एफसीआरआई (पिंगजियांग) साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रियल पार्क कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

30. उत्पादकों – मैसर्स एफसीआरआई (ननहाई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि.; एफसीआरआई (सिहुई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि.; एफसीआरआई (पिंगजियांग) साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रियल पार्क कं. लि. द्वारा दायर उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी उत्पादकों ने जांच की अवधि के दौरान भारत को अपने संबंधित व्यापारी एफसीआरआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के माध्यम से संबद्ध सामानों का निर्यात किया है।
31. भारतीय ग्राहकों को बिक्री एफओबी आधार पर है। एफसीआरआई ग्रुप ने अपने परिशिष्ट-2 में *** अमेरिकी डॉलर मूल्य वाले *** मी. टन का कुल निर्यात सूचित किया है और अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन प्रभार एवं बैंक प्रभार के निमित्त कुछ समायोजनों का दावा किया है और प्राधिकारी द्वारा उसकी अनुमति दी गई है। प्राधिकारी ने वापस न किए जाने वाले वैट और ऋण लागत के निमित्त भी समायोजन किए हैं। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस आंकड़ों से एफसीआरआई ग्रुप द्वारा निर्यातों का पुनर्समाधान भी किया है। तदनुसार, एफसीआरआई ग्रुप के लिए कारखानागत स्तर पर भारित औसत निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में निर्धारित की गई है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई है।

च.3.3 जीबो हुआयान इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण. के माध्यम से निर्यातित जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जीबो हुआयान इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण. ने भारत को जांच की अवधि के दौरान जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि., चीन जन. गण. से लिए गए संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी. टन का कुल निर्यात सूचित किया है और कुछ समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने उचित सत्यापन के बाद सारसंभाल प्रभारों, अंतर्देशीय पत्तन परिवहन, बैंक प्रभारों और वापस न किए जाने वाले वैट के लिए किए गए दावों की अनुमति दी है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में निर्धारित की गई है।

च.3.4 जीबो कोन्ना ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण. के माध्यम से निर्यातित बॉक्सिंग काउंटी जिनरूजी न्यू मैटेरियल कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जीबो कोन्ना ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन. गण. ने भारत को जांच की अवधि के दौरान बॉक्सिंग काउंटी जिनरूजी न्यू मैटेरियल कं. लि., चीन जन. गण. से लिए गए संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी. टन का कुल निर्यात सूचित किया है और कुछ समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने उचित सत्यापन के बाद अंतर्देशीय परिवहन, सारसंभाल प्रभारों, बैंक प्रभारों और वापस न किए जाने वाले वैट के लिए किए गए दावों की अनुमति दी है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में निर्धारित की गई है।

च.3.5 हाई होप झॉनडिंग कारपोरेशन, गुआंगडोंग किंग-स्ट्रांग न्यू मैटेरियल टैक्नोलॉजी कं. लि. और फोशान स्काईप्लानेट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के माध्यम से निर्यातित जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण. ने भारत को जांच की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों का निर्यात दो व्यापारियों अर्थात् हाई होप झॉनडिंग कारपोरेशन और गुआंगडोंग किंग-स्ट्रांग न्यू मैटेरियल टैक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन. गण. के माध्यम से किया है। इसके अतिरिक्त, जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण. द्वारा गुआंगडोंग किंग-स्ट्रांग न्यू मैटेरियल टैक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन. गण. को बेचे गए सामान भारत को दूसरे व्यापारी अर्थात् फोशान स्काईप्लानेट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन. गण. के माध्यम से निर्यात किए गए हैं।
35. उपर्युक्त वर्णित सभी लेन-देनों को एक साथ लेकर कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी. टन का कुल निर्यात सूचित किया है और कुछ समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने उचित सत्यापन के बाद कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, सारसंभाल प्रभार, धूम्रिकरण शुल्क, समुद्री भाड़ा, बैंक प्रभारों और वापस न किए जाने वाले वैट के लिए किए गए दावों की अनुमति दी है। तदनुसार, भारत औसत निवल निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में निर्धारित की गई है।

च.3.6 चीन में अन्य सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

36. असहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए सहयोगी निर्यातकों के माध्यम से उच्चतम पाटन मार्जिन अपनाया गया है और यह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्रम सं.	देश	उत्पादन	निर्यात	सामान्य मूल्य (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन)	निर्यात कीमत (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन)	पाटन मार्जिन (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
1	चीन जन. गण.	एफसीआरआई (ननहाई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एफसीआरआई (सिहुई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एफसीआरआई (पिंगजियांग) साइंस एंड टैक्नोलॉजी इंडस्ट्रियल पार्क कं. लि.	एफसीआरआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	***	***	***	***	0-10
2	चीन जन. गण.	जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि.	जीबो हुआयान इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.	***	***	***	***	35-45
3	चीन जन. गण.	बॉक्सिंग काउंटी जिनरूजी न्यू मैटेरियल कं. लि.	जीबो कोन्ना ट्रेडिंग कं. लि.	***	***	***	***	50-60
4	चीन जन. गण.	जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि.	हाई होप झोंगडींग कारपोरेशन, गुआंगडोंग किंग-	***	***	***	***	25-35

क्रम सं.	देश	उत्पादन	निर्यात	सामान्य मूल्य (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन)	निर्यात कीमत (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन)	पाटन मार्जिन (अमेरिकी डॉलर/ मी. टन)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
			स्ट्रॉंग न्यू मैटेरियल कं. लि. और फोशान स्काईप्लानेट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन. गण.					
5	चीन जन. गण.	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	60-70

छ. क्षति एवं कारणात्मक संपर्क का मूल्यांकन

37. अनुबंध-11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है की किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ... "ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"
38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए आवेदन पत्र मैसर्स फ्यूचरा सेरामिक्स लि. द्वारा दायर किया गया है। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार याचिकाकर्ता को इस जांच के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग माना गया है, अतः इस निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता की लागत और क्षति संबंधी सूचना की नियम 2(ख) में परिभाषित घरेलू उद्योग बनाने के लिए जांच की गई है।

छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

39. क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- क. 2014-15 में आयात में वृद्धि हुई और फिर गिरावट आई तथा फिर जांच की अवधि में वृद्धि हुई।
- ख. लगभग सभी आयात संबद्ध देश से हैं।
- ग. आयात की कीमतें लागतों में तदनुसूची गिरावट के बिना तेजी से कम हुई हैं।
- घ. पूरी क्षति की अवधि में सकारात्मक कीमत कटौती की वृद्धि।
- ङ. आयातों की कीमतें केवल बिक्री कीमत से कम ही नहीं रही है, अपितु बिक्री की लागत से भी कम रही। आयातों की कीमत और बिक्री कीमत के बीच अंतराल पूरी क्षति की अवधि में बढ़ रहा है।
- च. घरेलू उद्योग में काफी अनुपयुक्त क्षमता है। जांच की अवधि में क्षमता उपयोग केवल 12 प्रतिशत है।
- छ. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा केवल 6 प्रतिशत है।
- ज. घरेलू उद्योग को 2015-16 से हानियां हो रही हैं और जांच की अवधि में ये हानियां गहन हो गई हैं। आरओआई बहुत कम है।
- झ. उत्पादन में काफी गिरावट के बावजूद मालसूचियों में वृद्धि हुई है।

- ज. याचिकाकर्ता के पास पूर्व में एक किलन था, उन्होंने जर्मन प्रौद्योगिकी पर आधारित नई भट्टी संस्थापित कर 2014-15 में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई। याचिकाकर्ता ने इस नए किलन की संस्थापना उत्पाद के लिए मांग में प्रत्याशित उछाल को पूरा करने के लिए ही नहीं की (जैसा कि 2014-15 में मांग में भारी वृद्धि से देखा जा सकता है), अपितु कुछ तकनीकी कठिनाईयों से निपटने के लिए भी की जो पूर्व किलन में याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया में थीं। इस प्रकार, उन्होंने भारतीय मांग को पूरा करने के लिए गुणवत्ता एवं योग्यता सुनिश्चित की है।
- ट. ब्याज लागत में वृद्धि मालसूची में काफी वृद्धि के कारण है। वस्तुतः क्षमता वृद्धि के लिए अधिकतम वित्तपोषण अपनी निधियों से किया गया था, न कि उधार ली गई निधियों से। इस प्रकार, मालसूची में काफी वृद्धि से ब्याज लागत में वृद्धि हुई। ब्याज लागत में यह वृद्धि उत्पाद के पाटन के कारण है।
- ठ. यहां यह नोट करना व्यावहारिक है कि घरेलू बाजार में केवल एक दूसरा उत्पादक है जिसने जांच की अवधि में उत्पादन रोक दिया है। जबकि भारतीय उद्योग को अपने निजी बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा रखना चाहिए, चीनी अधिकतर हिस्सा रख रहे हैं और भारतीय उद्योग अल्पसंख्यक में है।
- ड. संबद्ध देश से पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन केवल न्यूनतम से अधिक नहीं है बल्कि काफी पर्याप्त भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव काफी है।

छ.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

40. क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- क. चीनी आयातों की वृद्धि का कारण निचले टाइलों के उद्योग का तेजी से विस्तार है। भारतीय उत्पाद मांग में अचानक परिवर्तन को पूरा नहीं कर पाए। भारतीय टाइल उद्योग सेरामिक टाइलों से पोर्सलेन टाइलों में बदल गया, अतः चीनी आयातों की आवश्यकता हो गई। आयातित चीनी सेरामिक रोलरों की मात्रा में उतार-चढ़ाव भारतीय निचले उद्योग की बाजार मांग के परिवर्तन के अनुसार है।
- ख. चीनी कीमतों और भारतीय कीमतों के बीच अंतर ऐसे नहीं हैं कि वे पूरे भारतीय उद्योग की हानियां उसके कारण हों।
- ग. उद्योग की संस्थापित क्षमता क्षति की अवधि के दौरान निरंतर बढ़ती रही है जबकि उत्पादन कम होता जा रहा है। घरेलू उद्योग ने घरेलू मांग को पूरा करने के लिए काफी मात्रा में उत्पादन नहीं किया है। संबद्ध सामानों की कमी के कारण आयातों की वृद्धि हुई है।
- घ. घरेलू उद्योग ने पूर्व वर्ष की मांग के आधार पर क्षमता बढ़ाई; परंतु क्षमता के विस्तार के लिए निवेश के कारण बिक्री की लागत भी बढ़ी। तथापि, दुर्भाग्यवश भारतीय उद्योग की खपत जांच की अवधि में कम हो गई और परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग की क्षमता का उपयोग बिक्री की बढ़ती हुई लागत से पर्याप्त रूप से नहीं किया जा सका।
- ड. घरेलू उद्योग का कुल लाभ जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से बढ़ा है।
- च. बिक्री की लागत संस्थापित क्षमता, कर्मचारियों की संख्या, मजदूरी, ब्याज राशि, मूल्यहास आदि में वृद्धि के कारण बढ़ी है। लागत में वृद्धि का मुख्य कारण क्षमता में तर्कहीन वृद्धि है जो कि देश में मांग से भी अधिक है।
- छ. लगाई गई पूंजी पर आय ने असामान्य प्रवृत्तियां दर्शाई हैं और घरेलू उद्योग की संस्थापित क्षमता में वृद्धि से सह संबंध नहीं रखती है।
- ज. कार्यशील पूंजी की प्रवृत्ति – संस्थापित क्षमता, कार्यशील पूंजी और ब्याज के बीच कोई सह संबंध नहीं है। कार्यशील पूंजी में वृद्धि करने वाली क्षमताओं में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की प्रचालनात्मक विफलता रही है।
- झ. भारतीय उद्योग के सेरामिक रोलरों के उद्योग के श्रम की लागत की वृद्धि भारतीय घरेलू बाजार के कारकों के उतार-चढ़ाव के कारण है। घरेलू श्रम लागत अत्यधिक बढ़ी जो चीनी आयातों से संबंधित नहीं है।
- ञ. उत्पादन में तदनुसारी वृद्धि के बिना क्षमताओं में सतत वृद्धि। इससे लागतों में ऐसी वृद्धि हुई जो पहले कभी नहीं हुई।

- ट. 2015 के बाद मांग में गिरावट (टाइल उद्योग में बंदी के कारण तथा प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि, विमुद्रीकरण आदि) और आयातक व्यापार नीति।
- ठ. भारतीय सेरामिक रोलर उद्योग मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है। आदर्श क्षमता 2,30,000 रोलरों से अधिक नहीं हो सकती, जबकि मांग इससे कहीं अधिक है। एक चीनी कंपनी स्वयं ही 2,00,0000 रोलरों का निर्यात करती है।
- ड. टाइलों की गुणवत्ता अर्थात् मुख्य रूप से पोर्सलेन टाइलों के प्रयोग में परिवर्तन, जब घरेलू उद्योग साधारण रोलरों का उत्पादन करता है, याचिकाकर्ता के सामानों के लिए इस प्रकार मांग में और गिरावट आई।
- ढ. निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वे एक अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को अपनाएं, जब पाटन का आरोप नहीं था। 22 प्रतिशत को अपनाना क्षति का निर्धारण दर्शाता है। ब्रिजस्टोन मामले का संदर्भ दिया जाता है। 22 प्रतिशत आरओसीई देने का मुद्दा निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष उपयुक्त मामले में तर्क दिए जाने के लिए सेसटेट द्वारा खुला रखा गया था। इस प्रकार, निर्दिष्ट प्राधिकारी को अनिवार्य रूप से इस मुद्दे की जांच करनी है। इस संबंध में, यूरोपीय आयोग की परिपाटी का संदर्भ दिया जाता है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए अनुरोधों पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग को क्षति की जांच की है।
42. पाटनरोधी नियमावली में प्राधिकारी से यह अपेक्षा है कि वे मात्रा एवं कीमत प्रभाव, दोनों की जांच कर क्षति की जांच करें। क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव तथा (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल है। पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को इस पर विचार करना होता है कि क्या पाटित आयातों में या तो पूर्ण संदर्भ में अथवा भारत में उत्पादन या उपभोग के संबंध में काफी वृद्धि हुई है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करना होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों को अन्यथा प्रभावित करने के लिए है अथवा कीमतों में वृद्धि रोकने के लिए है जो अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती।
43. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II का पैरा (iv) निम्नानुसार बताता है:
- "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का मूल्यांकन शामिल है, जिनमें लाभ, आउटपुट, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर वापसी या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, वास्तविक पाटन मार्जिन की मात्रा और नकदी प्रवाह पर संभावित ऋणात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, संवृद्धि, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता सम्मिलित है।"
44. यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड ह्रास दर्शाएं। कुछ मानदंड ह्रास दर्शा सकते हैं; जबकि कुछ सुधार दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी सभी क्षति संबंधी मानदंडों पर विचार करते हैं और उसके बाद निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है अथवा नहीं।
45. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने अनुरोधों में प्रस्तुत तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए वस्तुपरक रूप से क्षति के मानदंडों की जांच की है।
- क. मांग का मूल्यांकन

46. इस प्रयोजन के लिए भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री की मात्रा तथा सभी स्रोतों से आयातों को लिया जाता है। भारत में मांग/खपत में संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया गया:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
मांग					
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	53	45
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	61	-
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	2,608	4,553	2,460	2,613
अन्य देशों से आयात	मी. टन	66	28	101	46
कुल मांग/खपत	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158	89	88
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	55	60	52
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	63	69	-
संबद्ध देशों से आयात	%	81%	90%	86%	92%
अन्य देशों से आयात	%	2%	1%	4%	2%
कुल मांग/खपत	%	100%	100%	100%	100%

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग 2014-15 को छोड़कर, जब मांग असामान्य रूप से अधिक थी, क्षति की अवधि में कुल मिलाकर स्थिर रही है।

छ.3.2 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव – संबद्ध देशों के आयात की मात्रा तथा हिस्सा

48. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करना होता है कि क्या पूर्ण संदर्भ में या भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में पाटित आयातों में काफी वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों द्वारा दिए गए लेन-देन वार आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश और अन्य देशों से संबद्ध सामानों के आयातों की मात्रा की जांच की है। क्षति जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों के आयात की मात्रा और पाटित आयातों का हिस्सा निम्नलिखित रूप में है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
संबद्ध देश - चीन	मी. टन	2,608	4,553	2,460	2,613
अन्य	मी. टन	66	28	101	46
कुल आयात	मी. टन	2,674	4,581	2,561	2,659
कुल आयात में आयात का हिस्सा					
संबद्ध देश - चीन	%	98%	99%	96%	98%
अन्य	%	2%	1%	4%	2%
की तुलना में संबद्ध देश से आयात					
भारतीय उत्पादन की तुलना में आयात	%	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	148	106	241
बिक्री की तुलना में आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	191	169	318

49. आयात आधार वर्ष से 2014-15 तक तेजी से बढ़ गए हैं और उसके बाद पिछले वर्ष से जांच की अवधि में आंशिक रूप से बढ़े हैं, फिर भी वे काफी उच्च स्तर लिए हुए हैं। लगभग सभी आयात संबद्ध देश से हैं। इसके अतिरिक्त, उत्पादन एवं खपत के संबंध में आयात पहले ही काफी थे और जांच की अवधि में बहुत अधिक हो गए।

छ.3.3 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

50. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, इस नियमावली का अनुबंध-II(ii) नीचे दिया गया है:

“जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती।”

51. इसके जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों को कम करने के लिए अथवा कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए अन्यथा है जो अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में की गई है

कीमत कटौती

52. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के साथ आयात की पहुँच कीमत की तुलना की है। इस संबंध में तुलना संबद्ध देश से उत्पाद के पहुँच मूल्य तथा घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत, व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों के निवल के बीच की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतें कारखानागत स्तर पर निर्धारित की गई थीं।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
आयात मात्रा	मी. टन	2,608	4,553	2,460	2,613
आयातों की पहुँच कीमत	रु./कि.ग्रा.	139.40	137.83	128.41	118.85
निवल बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज %	15-25	30-40	45-55	45-55

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है। इस प्रकार, आयातों से क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी कटौती हो रही है।

कम कीमत पर बिक्री

54. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कम कीमत पर बिक्री से हो रही क्षति की जांच भी की है। इस प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी की तुलना डीजीसीआईएस के आंकड़ों से प्राप्त आयातों की पहुँच कीमत से की गई है। आयातों की भारित औसत पहुँच कीमत से घरेलू उद्योग की एनआईपी की तुलना निम्नलिखित दर्शाती है:

क्रम सं.	विवरण	यूनिट	
1	औसत पहुँच कीमत	रु./कि.ग्रा.	118.85
2	क्षति रहित कीमत	रु./कि.ग्रा.	***
3	कम कीमत पर बिक्री	रु./कि.ग्रा.	***
4	कम कीमत पर बिक्री	%	***
5	कम कीमत पर बिक्री	रेंज %	20-30

55. यह नोट किया जाता है कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के कारण जांच की अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री हुई है।

कीमत न्यूनीकरण तथा ह्रास

56. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण कर रहे हैं अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों का काफी मात्रा तक ह्रास करना है और कीमत वृद्धि को रोकना है जो कि अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती। प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागत एवं कीमतों और पहुँच में परिवर्तनों पर विचार किया। स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	109	126	132
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	108	110	106
पहुँच कीमत	रु./कि.ग्रा.	139.40	137.83	128.41	118.85
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	99	92	85

57. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री कीमत, दोनों में क्षति की अवधि में वृद्धि हुई। तथापि, बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री की लागत में वृद्धि के बराबर ज्यादा नहीं है। बिक्री कीमत पूरी क्षति की अवधि में उत्पादन लागत के स्तर से कम रही है। आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की लागत एवं बिक्री कीमत के स्तर से कम रही है। इस प्रकार, पाटित आयातों से केवल ह्रास ही नहीं हुआ है, अपितु घरेलू उद्योग की घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण भी हुआ है।

छ.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों पर प्रभाव

58. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है।

क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

59. उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	187	250
उत्पादन (वास्तविक)	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	89	59
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	45	23
बिक्री घरेलू	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	53	45

60. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में घरेलू बाजार में पर्याप्त मांग के बावजूद क्षति की अवधि में काफी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग भी क्षति की अवधि में कम हुआ है।

ख) लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ

61. घरेलू उद्योग की बिक्री लागत, बिक्री कीमत, लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश पर आय का विश्लेषण निम्नलिखित रूप में किया गया है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	126	133
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	110	106
लाभ/हानि प्रति यूनिट	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	(271)	(514)
लाभ/(हानि) - कुल	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	67	(154)	(250)
नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	117	59
ब्याज और कर पूर्व लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	114	79
निवेश पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	37	64	41

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को पूरी क्षति की अवधि में लाभ, ब्याज पूर्व लाभ और नकद लाभ के संदर्भ में हानि हुई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि पूरी क्षति की अवधि में पाटन हुआ है और वह जांच की अवधि के दौरान गहन हुआ था। जांच की अवधि में हानियां भी और अधिक हुईं। लगाई गई पूंजी पर आय भी लाभ एवं नकद लाभ की गति के अनुसार चली। वह पूरी क्षति की अवधि में कम हुई है।

ग) मांग में बाजार हिस्सा

63. घरेलू उद्योग की मांग में बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
-------	-------	---------	---------	---------	--------------

घरेलू उद्योग की बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	55	60	52
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	63	69	-
संबद्ध देशों से आयात	%	81%	90%	86%	92%
अन्य देशों से आयात	%	2%	1%	4%	2%

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में तेजी से गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी क्षति की अवधि में गिरावट आई है, जबकि संबद्ध देश का बाजार हिस्सा, जो कि पहले ही काफी था, और अधिक बढ़ा है। यह दर्शाता है कि उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को प्रभावित कर रहा है।

घ) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

65. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में स्थिति निम्नलिखित है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	91	101
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	कि.ग्रा./सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	97	58
प्रति दिन उत्पादकता	कि.ग्रा./दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	89	59
मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	111	91
मजदूरी प्रति यूनिट	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	133	156

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रोजगार स्तर लगभग स्थिर रहा है और क्षति की अवधि में मजदूरी का स्तर भी समान रहा है। उत्पादकता प्रति दिन और प्रति कर्मचारी में क्षति की अवधि में गिरावट आई है।

ङ) मालसूची

67. संबद्ध सामानों की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	143	229	310
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	160	217	250
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	153	222	275

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग में मालसूची का स्तर क्षति की अवधि में बढ़ा है और घरेलू उद्योग अपना उत्पाद बेचने की स्थिति में नहीं है।

च) पाटन की मात्रा

69. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयात पाटित कीमतों पर देश में आ रहे हैं और पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमाओं से अधिक और काफी है।

छ) पूंजीगत निवेश बढ़ाने की क्षमता

70. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता काफी अधिक अनुपयुक्त है और उद्योग को हानियां हो रही हैं। इस प्रकार, ऐसी स्थिति में पूंजीगत निवेश बढ़ाने की क्षमता कमजोर हुई है।

ज) वृद्धि

71. घरेलू उद्योग की वृद्धि से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं:

वृद्धि	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
उत्पादन	वर्ष/वर्ष %	-	15	(22)	(33)
घरेलू बिक्री	वर्ष/वर्ष %	-	(12)	(39)	(15)
बिक्री की लागत	वर्ष/वर्ष %	-	10	14	5
बिक्री कीमत	वर्ष/वर्ष %	-	9	2	(4)
लाभ/हानि	वर्ष/वर्ष %	-	(33)	(331)	(62)
आरओआई	वर्ष/वर्ष %	-	(63)	75	(36)
नकद लाभ	वर्ष/वर्ष %	-	24	(5)	(50)

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी प्रमुख वृद्धि संबंधी मानदंड आयातों से संभावित क्षति दर्शाते हुए काफी गिरावट दर्शाते हैं।

झ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

73. संबद्ध देश से आयात कीमतों की जांच, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों को छोड़कर अन्य कारक, जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत, भारतीय बाजार में कीमत कटौती से कम है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य रूप में विचाराधीन उत्पाद की कीमतें प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतों के बीच होनी चाहिए और घरेलू उद्योग अपनी कीमतें इन इनपुट कीमतों और आयातों की पहुँच कीमत पर विचार करते हुए निर्धारित करता रहा है। इस प्रकार, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का पहुँच मूल्य घरेलू कीमतों के निर्धारण के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

छ.3.5 अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संपर्क

74. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध उन अन्य कारकों को नोट किया है जो घरेलू उद्योग को पाटन एवं वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क की जांच के लिए घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान कर सकते थे।

क) निर्यात निष्पादन

75. घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति पूर्णतः घरेलू प्रचालनों के कारण है और घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर निर्यातों का कोई प्रभाव नहीं है।

ख) प्रौद्योगिकी

76. प्रौद्योगिकी में भी सेरामिक रोलरों के उत्पादन के लिए उत्पादन प्रक्रिया के रूप में भी कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है। प्रौद्योगिकी में संभावित विकास घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

ग) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा तथा व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियाँ

77. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

घ) उपभोग के पैटर्न में परिवर्तन

78. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में उपभोग के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उपभोग के पैटर्न में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना नहीं है।

ड) अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन

79. याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और बिक्री किए जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का संभावित कारण नहीं है क्योंकि याचिकाकर्ता द्वारा दी गई निष्पादन संबंधी सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित है।

च) कारणात्मक संपर्क स्थापित करने वाले कारक

80. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कम हुआ है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क निम्नलिखित आधारों पर सिद्ध किया जाता है:

- क. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा काफी बढ़ी है।
- ख. पाटित आयातों के कारण हो रही कीमत कटौती से घरेलू उद्योग की कीमतों में वृद्धि रुकी है जो अन्यथा हुई होती।
- ग. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी कमी आई है।
- घ. घरेलू उद्योग को देश में काफी मांग एवं क्षमताओं की मौजूदगी के बावजूद उसका उत्पादन, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्सा बढ़ाने से रोक गया है।
- ड. लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभ में कमी सीधे ही पाटित आयातों का परिणाम है।
- च. घरेलू उद्योग की वृद्धि बिक्री कीमत, लाभ प्रदता, नकद लाभ और आरओसीई जैसे कई आर्थिक मानदंडों के संदर्भ में नकारात्मक हुई।
- ज. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात विवरण संबंधी अनुरोध

ज.1 घरेलू उद्योग के विचार

81. घरेलू उद्योग ने अपने प्रकटन पश्चात अनुरोधों में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं। संक्षिप्तता के लिए घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां, जिस सीमा तक वे पूर्व में किए गए अनुरोधों की पुनरावृत्ति हैं और उन पर ऊपर पहले ही कार्यवाई की जा चुकी है, यहां नीचे नहीं दोहराई गई हैं:

- क. चूंकि, एनआईपी घरेलू उद्योग के आंकड़ों के आधार पर निर्धारित की गई है, अतः याचिकाकर्ता निर्धारित एनआईपी का विस्तृत ब्यौरा प्रकट करने का अनुरोध करते हैं ताकि याचिकाकर्ता उस पर टिप्पणियां दे सकें।
- ख. याचिकाकर्ता, याचिकाकर्ता द्वारा सूचित की गई कार्यशील पूंजी की राशि और प्रकटन विवरण में मानी गई राशि के बीच भारी अंतर पाते हैं जिससे लगाई गई काफी कम पूंजी और परिणामस्वरूप निवेश पर आय भी कम होती है, परिणामस्वरूप प्रकटन विवरण में निर्धारित क्षति मार्जिन उस क्षति मार्जिन से काफी कम है जो अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए माना जाना चाहिए जिससे अंतिम रूप से लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मात्रा प्रभावित होगी।
- ग. निर्मित सामान्य मूल्य का निर्धारण, जो घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर आधारित है, प्रकट किया जाना चाहिए क्योंकि प्रकटन विवरण में निर्धारित सामान्य मूल्य वास्तविक रूप से याचिकाकर्ता द्वारा किए गए परिकलनों से कम है और वह भी जब सामान्य मूल्य याचिकाकर्ता के आंकड़ों पर आधारित हो।
- घ. प्राधिकारी कृपया संबद्ध देश से निर्यातकों/उत्पादकों की सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय रूपांतर प्रकट करें।
- ड. प्राधिकारी कृपया विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को मेल अथवा पत्र द्वारा भेजे गए सभी पत्रों की प्रति और इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए उत्तरों की प्रति उपलब्ध कराएं।
- च. उत्तरदाता निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से वास्तविक रूप से कम है। दोनों मार्जिनों में व्यापक अंतर यह स्पष्ट करता है कि प्रत्येक उत्तरदाता

- निर्यातक के लिए एनआईपी, सीएनवी, निर्यात कीमत और आयातों की पहुँच कीमत के निर्धारण के लिए अपनाए गए आंकड़ों में मौलिक मुद्दे हैं।
- छ. याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित निर्यात कीमत और प्राधिकारी द्वारा निर्धारित निर्यात कीमत के बीच काफी अंतर है जो यह बताता है कि भारतीय सीमा शुल्क द्वारा सूचित की गई कीमतें और निर्यातकों द्वारा सूचित की गई कीमतें वास्तविक रूप से भिन्न-भिन्न हैं।
- ज. ऐसी स्थिति में, जहां भारतीय सीमा शुल्क के तहत सूचित किए गए आंकड़ों और निर्यातकों द्वारा सूचित किए गए आंकड़ों में भारी अंतर हो, प्राधिकारी को निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों को रद्द करना चाहिए और भारतीय सीमा शुल्क के आंकड़ों पर विचार करना चाहिए।
- झ. वस्तुओं का उपभोग इस कारण से विगत में प्राप्त सर्वोत्तम स्तरों पर नहीं माना जाना चाहिए कि खपत में वृद्धि का कारण ऐसे इनपुट का अदक्ष उपयोग नहीं है।
- ञ. प्राधिकारी को वास्तविक उत्पादन लागत निर्धारित करने की अपेक्षा है न कि वे कीमत निर्धारित करने के लिए उत्पादन की राष्ट्रीय कम लागत, जिसकी तुलना आयात कीमत से की जा सके।
- ट. लगाई गई पूंजी निर्धारित परिसंपत्तियों के वर्तमान मूल्य अथवा निर्धारित परिसंपत्तियों के कम से कम सकल मूल्य पर विचार करते हुए निर्धारित की जानी चाहिए।
- ठ. घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि पाटनरोधी शुल्क का स्वरूप अमेरिकी डॉलर में व्यक्त पांच वर्षों की अवधि के लिए पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा (शुल्क का निर्धारित स्वरूप) होनी चाहिए।

ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

82. निर्यातकों ने अपने प्रकटन पश्चात अनुरोधों में निम्नलिखित मुद्दे रखे हैं। स्पष्टता के लिए उनके द्वारा दोहराए गए कुछ बिंदु संक्षेप में नीचे उल्लिखित किए गए हैं:
- क. घरेलू उद्योग द्वारा अपनी याचिका में किए गए दावों में आर्थिक मानदंडों में परिवर्तन और आंकड़ों में अंतर के लिए कारण तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपने प्रकटन विवरण में माने गए कारण कृपया दिए जाएं।
- ख. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस अवधारणा के साथ कार्रवाई की है कि चीन जन. गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। दिसंबर, 2016 के बाद चीन जन. गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना डब्ल्यूटीओ के चीन अधिगम संबंधी नयाचार के प्रावधानों का उल्लंघन है। परिणामस्वरूप निर्यातकों ने इस बात पर जोर दिया है कि इस जांच के क्षेत्र के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित करें:
- चीन की बाजार अर्थव्यवस्था के विकास के आधार पर चीन जन. गण. को "बाजार अर्थव्यवस्था स्तर" प्रदान करना।
 - पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2 के अनुसार सामान्य मूल्य परिकलन करना और
 - सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कंपनी द्वारा अपने उत्तर में दी गई लागत और कीमतों संबंधी आंकड़ों को इस जांच में समान देश के आंकड़ों को लागू करने के बजाए लागू करना।
- ग. निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वे विभिन्न पाटनरोधी जांच में उठाए गए बड़े हुए आरओसीई के मुद्दे की जांच करें और इस संबंध में अपने कारण सहित जांच परिणाम दें कि क्या निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया 22 प्रतिशत आरओसीई पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार उपयुक्त है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को विगत में याचिकाकर्ताओं द्वारा अर्जित आय पर विचार करना चाहिए, जब उपयुक्त आय के रूप में कोई पाटन का आरोप नहीं था और क्षति रहित कीमत निकालने के लिए उपयुक्त आय के रूप में उसे अपनाना चाहिए।
- घ. चीनी सेरामिक रोलर के उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क चीनी उत्पादों के आयातों को प्रतिबंधित करता है, भारत में निचले उद्योगों और अंतिम प्रयोक्ताओं के हित को गंभीर रूप से क्षति पहुँचा सकता है। इससे घरेलू उद्योग उत्पादन प्रौद्योगिकी और दक्षता में सुधार लाने में शिथिल पड़ सकता है।

ड. सेरामिक रोलरों की आयात मात्रा जांच की अवधि के दौरान काफी नहीं बढ़ी है बल्कि निचले उद्योग की मांग में उतार-चढ़ाव के अनुसार उसमें उतार-चढ़ाव आया है।

च. घरेलू उद्योग को हुई क्षति बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण है न कि चीन जन. गण. से आयातों के कारण।

छ. एक उत्पादक और उसके संबंधित व्यापारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 15 के अनुसार, कीमत वचनबद्धता स्वीकार करने की अपनी इच्छा पेश की है। उसने अनुरोध किया है कि उसे स्वीकार किया जाए और उनके विरुद्ध जांच को रद्द किया जाए।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन कई मुद्दों पर चर्चा हो गई है और उन पर प्राधिकारी के विचार इस दस्तावेज में अन्यत्र व्यक्त किए गए हैं। प्रकटन विवरण के उत्तरों में उठाए गए विशिष्ट मुद्दों के संबंध में यह सूचित किया जाता है कि आर्थिक मानदंडों और याचिका तथा प्रकटन विवरण के बीच आंकड़ों में अंतर प्राधिकारी द्वारा किए गए विस्तृत सत्यापन/जांच के कारण है। व्यापार संबंधी आंकड़ों के संबंध में याचिकाकर्ता ने आरंभिक तौर पर अपनी याचिका में उस समय उपलब्ध व्यापार संबंधी आंकड़ों को वार्षिकीकृत किया है जिसे बाद में प्राधिकारी द्वारा डीजीसीआईएस से आंकड़ों के प्राप्त होने पर वास्तविक रूप में बदल दिया गया था। प्रचालनात्मक आंकड़ों के संबंध में याचिका में दी गई लेखा परीक्षा न किए गए/अंतिम सूचना तथा याचिकाकर्ता के अंतिम लेखों के अंतिम लेखा परीक्षित रूपांतरण के कारण अंतर है। किसी भी स्तर में सूचना अथवा आंकड़े उपलब्ध कराने में याचिकाकर्ता की ओर कोई दुर्भावना का पता नहीं लगा।

84. एक निर्यातक द्वारा कीमत वचनबद्धता की पेशकश के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वह 15 मार्च 2018 को किया गया था, जो जांच के बहुत देर के चरण में है। प्राधिकरण को इस विलम्बित मूल्य उपक्रम प्रस्ताव की जांच के लिए समय की कमी को देखते हुए इसे अस्वीकार करने के लिए बाध्य है।

झ. क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

85. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुबंध-3 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत का निर्धारण, जांच की अवधि के दौरान उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपना करके किया गया है। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत का निर्धारण संयंत्र-वार किया गया है और तदनुसार, भारित औसत क्षति रहित कीमत तय की गई है। क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए प्रत्येक संबद्ध देश से पहुंच कीमत की तुलना करके भारित औसत क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है। क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त कच्ची सामग्री के बेहतर उपयोग पर विचार किया गया है। प्रयोज्यताओं के साथ भी इसी प्रकार का व्यवहार किया गया है। क्षति की अवधि में उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग पर विचार किया गया है। जांच की अवधि में उत्पादन का परिकलन, बेहतर क्षमता उपयोग को ध्यान में रख कर किया गया है और प्रति यूनिट निश्चित लागत प्राप्त करने के लिए उसी उत्पादन पर विचार किया गया है। इस प्रकार, यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन की लागत पर कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती व्यय न लगाया जाए। विचाराधीन उत्पाद पर नियोजित औसत पूंजी पर उचित प्रतिलाभ (कर पूर्व 22% की दर से) (अर्थात् औसत निबल निश्चित परिसम्पतियों जमा औसत भारित पूंजी), कर पूर्व लाभ मंजूर किया गया है, ताकि क्षति रहित कीमत प्राप्त की जा सके। इस प्रकार, निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है, ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके, जो निम्नानुसार है:-

क्षति मार्जिन तालिका

क्रम सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	एनआईपी-अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	पहुँच मूल्य अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	क्षति अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज- %
1	चीन जन. गण.	एफसीआरआई (ननहाई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एफसीआरआई (सिहुई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एफसीआरआई (पिंगजियांग) साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रियल पार्क कं. लि.	एफसीआरआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	***	***	***	***	नकारात्मक
2	चीन जन. गण.	जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि.	जीबो हुआयान इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.	***	***	***	***	10-20
3	चीन जन. गण.	बॉक्सिंग काउंटी जिनरूजी न्यू मैटेरियल कं. लि.	जीबो कोन्ना ट्रेडिंग कं. लि.	***	***	***	***	10-20
4	चीन जन. गण.	जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि.	हाई होप झोंगडींग कारपोरेशन, गुआंगडोंग किंग-स्ट्रॉंग न्यू मैटेरियल कं. लि. और फोशान स्काईप्लानेट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	10-20
5	चीन जन. गण.	कोई अन्य	कोई अन्य	***	***	***	***	50-60

ब. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

86. यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाना प्रयोक्ता उद्योग के हित के विरुद्ध है, प्राधिकारी दोहराते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित परिपाटी द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः

स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाना किसी भी तरह संबद्ध देश से आयातों को प्रतिबंधित करना अथवा उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित करना नहीं है।

87. प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि यद्यपि, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की स्थिति में भारत में उत्पाद का कीमत स्तर कम समय के लिए प्रभावित हो सकता है, परंतु भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा से कीमतें एक संधारणीय संतुलन में वापस आनी सुनिश्चित हो जाएंगी। पाटनरोधी उपाय पाटन की परिपाटियों से प्राप्त अनुचित लाभ को कम करेंगे और घरेलू उद्योग की गिरावट को रोकेंगे तथा उपभोक्ताओं को संबद्ध सामानों के व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता करेंगे। उपभोक्ता दो या उससे अधिक आपूर्ति के स्रोत भी बनाए रख सकते हैं।

ट. सिफारिशें

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क की जांच शुरू की गई थी और ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध हो जाने पर, प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति के प्रतिकरण के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है। इसलिए प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं कि नीचे वर्णित रूप में और तरीके से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना आवश्यक समझते हैं और उसकी सिफारिश करते हैं।
89. शुल्क ढांचे के संबंध में मामले के वास्तविक मैट्रिक्स को ध्यान में रखते हुए तथा उठाए गए मुद्दों, दी गई सूचना और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी डॉलर में पाटनरोधी शुल्क का निर्धारित स्वरूप सिफारिश करना उपयुक्त माना गया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में दर्शाई गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क पांच (5) वर्षों की अवधि के लिए लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	उप शीर्षक	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि अमेरिकी डॉलर/मी. टन
[1]	[2]	[3]	[4]	[5]	[6]	[7]	[8]
1	6903	सेरामिक रोलर	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	एफसीआरआई (ननहाई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एफसीआरआई (सिहुई) न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एफसीआरआई (पिंगजियांग) साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंडस्ट्रियल पार्क कं. लि.	एफसीआरआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	शून्य

2	6903	सेरामिक रोलर	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जीबो हुआयान इंडस्ट्रियल सेरामिक्स कं. लि.	जीबो हुआयान इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.	223.74
3	6903	सेरामिक रोलर	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	बॉक्सिंग काउंटी जिनरुजी न्यू मैटेरियल कं. लि.	जीबो कोन्ना ट्रेडिंग कं. लि.	336.34
4	6903	सेरामिक रोलर	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जिनचेंग सीन फाइन मैटेरियल्स कं. लि.	हाई होप झोंगडींग कारपोरेशन, गुआंगडोंग किंग-स्ट्रांग न्यू मैटेरियल कं. लि. और फोशान स्काईप्लानेट इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन. गण.	202.03
5	6903	सेरामिक रोलर	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	1, 2, 3 और 4 में उल्लिखित को छोड़कर कोई अन्य		782.25
6	6903	सेरामिक रोलर	कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	782.25
7	6903	सेरामिक रोलर	चीन जन. गण.	कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	782.25

* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जाएगा।

90. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण होने वाली केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th March, 2018

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-dumping duty investigation on the imports of Ceramic Roller originating in or exported from China PR.

F.No. 14/47/2016-DGAD: Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. Whereas, M/s Futura Ceramics Ltd. (hereinafter referred to as 'petitioner') had filed an application (also referred to as petition) before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the

Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules) for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Ceramic Roller” (hereinafter referred to as subject goods or product under consideration) originating in or exported from People’s Republic of China (hereinafter referred to as subject country).

B. PROCEDURE

2. The procedure as described herein below has been followed:

- a. The Authority under the above Rules, received a written application from the petitioner on behalf of domestic industry of subject goods, alleging dumping of subject goods originating in or exported from subject country and resultant injury to the domestic industry and requesting recommendations for imposition of antidumping duty on imports of the subject goods from the subject country.
- b. On the basis of sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country, injury to the domestic industry and a causal link between the alleged dumping and injury, the Authority initiated an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of subject goods from the subject country and to recommend an amount of antidumping duty, which if levied on the imports of Ceramic Roller, would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.
- c. The Authority notified the Embassy/Representatives of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- d. The Authority issued a public notice dated 19th April, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation against imports of the subject goods from the subject country.
- e. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and users association of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
- f. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application filed by the petitioner to the known exporters and the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the application was also provided to interested party whenever requested.
- g. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters of subject goods in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules.
 - a) FCRI
 - b) Aokerola Group
 - c) Zibo Huao Ceramic Raw Materials Co. Ltd.
 - d) Zibo Huayan Industrial Ceramics Co. Ltd.
 - e) Mega Ceramic
 - f) Yi Xing Hua Bao Ceramic Technology Co. Ltd.
 - g) Scien Roller Jincheng Scien Fine Materials Co. Ltd.
- h. In response to the initiation notification, the following exporters/producers have filed questionnaire response along with legal submissions as well.
 - a) FCRI (Pingxiang) Science & Technology
 - b) Industrial Park Co., Ltd
 - c) FCRI IMPORT & EXPORT CO., LTD
 - d) Zibo Huayan International Trading Co., Ltd.
 - e) Zibo Huayan Industrial Ceramics Co., Ltd
 - f) Boxing County Jinruiji New Material Co." Ltd"(Producer)
 - g) Zibo Konna Trading Co.Ltd."(Exporter)
 - h) FCRI (Nanhai) New Materials Co., Ltd.
 - i) Guangdong King-Strong New Material Technology Co., Ltd.
 - j) Foshan Skyplanet Import and Export Co., Ltd.
 - k) High Hope Zhongding Corporation
 - l) Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd.
- i. Questionnaire was sent to the following known importers/users associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- a. Gujarat Granite Manufacturers Association
 - b. Sabarkantha District Ceramic Association
 - c. All Kerala Tiles and Sanitary Ware Dealers Association
 - d. Indian Council of Ceramic Tiles and Sanitary Ware
- j. None of the Importers/ user associations have filed Importer Questionnaire in response to the Initiation notification
 - k. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by all interested parties. The public file was inspected by a number of interested parties a number of times. Interested parties, who requested inspection and copies of the documents from the public file, were provided with the same.
 - l. The Authority accepted the confidentiality claims, wherever warranted after due examination and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on a confidential basis, which was made available through public file.
 - m. Further information was sought from the petitioner and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of present investigation.
 - n. Investigation was carried on for the period April, 2016 - March, 2017 (12 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or 'POI') with injury analysis covering the period 2013-14, 2014-15, 2015-16 and the POI.
 - o. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, and the said information was obtained from the DGCI&S and has been adopted for the purpose of the present investigation.
 - p. The Authority has examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the AD Rules to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
 - q. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in the public hearing held on 23rd January 2018 which was attended by various parties. All the parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of these views for mutual exchange with opposing interested parties for filing rejoinders thereafter by others.
 - r. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this document.
 - s. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
 - t. In accordance with the Rules, the Authority disclosed the essential facts of the present investigation to all interested parties vide a disclosure statement issued on 8th March, 2018, and advised them to file the comments on the disclosure statement by 14th March, 2018. The comments received from the domestic industry and other interested parties have been addressed in this findings to the extent considered relevant.
 - u. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
 - v. '***' in this document represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
 - w. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as **Rs.67.95= 1 US\$**.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Views of the Domestic industry

3. The views of the domestic industry are as follows:

- a) The product under consideration in the present petition is “Ceramic Rollers” or “Rollers” (also known as Ceramic pipes or tubes in market parlance) and is used in Roller Hearth Kilns to transport tiles from one end of the kiln to the other end. By rotating around themselves the rollers allow the tiles to be transported from one end to the other. The Ceramic Rollers are also used in Industries that make S.S. (Stainless Steel) Strips/ Patta to manufacture Stainless Steel Utensils. It is classified under Chapter 69 of the Customs Tariff Act.
- b) Analysis of import data shows that the importers have used following descriptions for importing the product under consideration. The Petitioner therefore requests consideration of all these descriptions as the scope of the product under consideration.
- 1) Ceramic Roller
 - 2) High Temperature Ceramic Rollers
 - 3) Refractory Ceramic Roller
 - 4) Ceramic Refractory Roller-Roller
 - 5) Parts for Kiln Machinery Ceramic Rollers with Springs, etc.
- c) The Rollers enables transport of material from one end to the other on conveyor including the inspection, packing to be in one continuous cycle. Ceramic Rollers used in roller hearth kiln need to satisfy specific criteria such as excellent thermal shock resistance, high alumina content. The straightness tolerances are very strictly maintained to ensure straightness in the rollers.
- d) Depending on customer’s requirement, a number of different types of rollers are produced, which can be differentiated on the basis of diameter of the roller and length of the roller. Different densities in the roller are achieved by controlling the composition of raw materials and the process parameters. However, every producer can produce different types of rollers as per the customer’s requirement.
- e) Based on import data, it seen that the minimum and maximum diameter of the rollers and the length of the rollers are as shown in the table below. The table also shows the product profile of the petitioner.

	Max. dimensions	
Width	Length	Width
Domestic industry	5800mm	65mm
Imports	4950mm	65mm

- f) The profile of the petitioner is comparable to the profile of the Chinese suppliers. Petitioner has produced rollers of longer length as compared to what is produced and supplied by Chinese producers.
- g) As regards alleged difference in production process, the petitioner submits that while every manufacturer fine tunes its own manufacturing process, the product exported to India by the Chinese producers is also largely of the process as followed by the petitioner. Exceptional situation cannot be pleaded as a general business practice/situation in China, as has been pretended by the exporters. Significant imports into India are of the type of rollers that are produced by the petitioner.
- h) As regards the process contended by China Chamber of International Commerce, petitioner produces and supplies like article.
- i) By their own admission, the product supplied by them is a patented process. If the process is patented, it proves that other producers cannot supply the product using the same process. Other producers therefore have to follow a different process. However, what is relevant to the Designated Authority is whether the petitioner has produced like article to the imported product. By using different process, petitioner has produced like article and that alone is relevant for the present purposes.
- j) The alleged complaint of the importer on quality is quite old and pertains to a period when the petitioner was operating only the first kiln. Ever since petitioner has started the second kiln in early 2015, there is no question of quality complaints, as petitioner has in particular taken care of this aspect while setting up the second kiln. The second kiln produces the subject goods of the same quality as that of the quality of the subject goods produced and exported by the Chinese producers to India.
- k) Designated Authority has repeatedly held that the difference in quality is not a relevant consideration in anti-dumping cases, whether the imported product is of superior or of inferior quality. In particular, in the

matter of Ethylene Propylene Diene Rubber (EPDM), the Designated Authority has held that quality is not a relevant consideration in anti-dumping cases.

C.2. Views of the other interested parties

4. The following submission has been made by the importers, consumers, exporters and other interested parties with regard to product under consideration and like article.

- a. The Authority must exclude Ceramic Rollers intended for use at super high temperatures, such as Super High Temperature Ceramic Roller of S-6000 (GF98) and S-5000 (GF95) (hereinafter referred to as 'GF98 and GF95'). The products, GF98 and GF95 ceramic rollers, are held under national patent of the FCRI group (Respondents). Since the products are patented, the Petitioner is not capable of manufacturing the said products.
- b. The Petitioner's product and the Respondents' products are made using different equipment and different technologies. The end products are completely distinct. Therefore, the products of the two are technically and commercially distinct. The core technical characteristics which are present in Respondents' products but lacking in the Petitioner's products are:
 - Load bearing capacity at higher temperature
 - Linearity of the Ceramic Rollers
 - Higher Density
 - Thermal Shock Resistance
- c. The Authority has defined the PUC very broadly and it is unclear whether Ceramic Rollers used for manufacture of Auto Glass, Stainless Steel Strips to manufacture steel utensils are also part of the PUC. The PUC must be narrowly defined to enable proper implementation at the Customs ports.
- d. Chinese production process involves cold isostatic process which improves physical property and gives higher density and better thermal shock resistance performance leading to difference in product quality. Hence they are not directly competitive.
- e. Indian industry is merely able to produce the ceramic rollers of less than 4000 mm (millimetre) in length, therefore only suitable for low temperature common kilns. That is why the Indian ceramic rollers are mainly used for production of low-end ceramic tiles. Oppositely, Chinese producers are able to produce ceramic rollers with maximum length of 5200mm, higher density, and better thermal shock resistance hence they are used for high-end porcelain tiles.
- f. Scope of PUC should be restricted and should not include products Indian producer could not produce or did not yet produce, such as the ultra-high temperature ceramic rollers, the ultra-long ceramic rollers exceeding the maximum length that Indian producer could produce, combined cordierite cooling rollers, and adjusted rollers.

C.3. Examination by the Authority

5. The product under consideration in the present petition is "Ceramic Rollers" or "Rollers" (also known as Ceramic pipes or tubes in market parlance) and is used in Roller Hearth Kilns to transport tiles from one end of the kiln to the other end. By rotating around themselves the rollers allow the tiles to be transported from one end to the other. The Ceramic Rollers are also used in Industries that make S.S. (Stainless Steel) Strips/ Patta to manufacture Stainless Steel Utensils. It is classified under Chapter 69 of the Customs Tariff Act.
6. The main uses of Ceramic Rollers are used in Roller Hearth Kilns to transport tiles from one end of the kiln to the other end. By rotating around themselves the rollers allow the tiles to be transported from one end to the other.
7. The technical needs of Ceramic Roller are changing over the years due to:
 - a) Higher firing temperatures
 - b) Heavier tiles being fired
 - c) Increased Length, Breadth and Thickness of tiles
 - d) Longer length of the kiln itself
 - e) Faster time of firing cycle
8. The assertion of the interested parties regarding the exclusion of patented products which are used in high firing temperature is not acceptable as the mere fact that either the product or the process is patented does not imply that it should be excluded from scope of product under consideration. The Authority has to determine whether the imports from subject country and the product of the domestic industry are like articles. Petitioner has provided evidence to show that the products manufactured by them are being used by consumers who require for use in high firing temperature.

9. The Designated Authority is required to consider whether another article which has characteristic closely resembling the imported product under consideration is produced and supplied by the domestic industry for use in similar application. The domestic industry is producing and supplying like article to the product under consideration and therefore there can be no exclusion of patented product.
10. As regards the argument that ceramic rollers for other applications should be excluded, the Authority notes that the interested parties while seeking exclusion have not substantiated or even claimed that there are differences in the ceramic rollers used in different applications. Thus, there is no merit in the request of the interested parties for exclusion of the ceramic rollers used in other applications from the scope of the product under consideration.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Views of the Domestic industry

11. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
 - a) The present petition is filed by Futura Ceramics. The petitioner is neither related to an importer in India nor exporter from subject countries, nor has the petitioner imported the product under consideration within the meaning of Rule 2(b). The production of the petitioner constitutes a major proportion of the Indian production. The petitioner therefore, has satisfied the requirement of standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Anti-dumping Rules.
 - b) The production figures of other Indian producers are based on market intelligence. To the best of the knowledge of the petitioner the production figures of the other producers are representative and any deviation with actual figures will, in fact, reveal that their actual production is lower as the petitioner has considered a conservative estimate.
 - c) There is one other known producer of the subject goods in the country i.e. Stark Alluminagres Pvt Ltd, whose production during the POI is nil.

D.2. Views of the other interested parties

12. The following submission was made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to standing and scope of domestic industry.
 - a. The Petitioner has concealed the names of other Indian producers of ceramic rollers (Annexure 2.2.to the petition) by treating the same as confidential. The data given in injury information Proforma IVA-I does not indicate any sales made by other Indian producers during the POI. Absence of this information has a clear impact on the determination of injury and the level of imports of the subject goods in relation to the demand in India.
 - b. Respondent(s) seek the release of the concealed names of Indian producers, as the absence of it has caused an impact on determination of injury and the level of import.

D.3. Examination of the Authority

13. The present petition is being filed by Futura Ceramics. The petitioner is neither related to an importer in India nor any exporter from subject countries. Further, the petitioner has not imported the product under consideration within the meaning of Rule 2(b). The other known producer of the subject goods in the country i.e. Stark Alluminagres Pvt Ltd, did not produce the subject goods during the POI.
14. Thus, the production of the petitioner constitutes a major proportion of the Indian production as it is *de facto* the sole producer of subject goods in India during the POI. In view of the above, the Authority holds the petitioner as the eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

E. CONFIDENTIALITY AND OTHER ISSUES

E.1 Submissions by domestic industry

15. The following submissions were made by the domestic industry with regard to confidentiality and other issues.

- a. Petitioner is the sole petitioner in the POI and thus its information, even in terms of volume parameters such as production, sales, etc. has not been disclosed as the same are not in public domain. The Petitioner has, however, provided indexed information wherever possible.
- b. Petitioner has provided sufficient information justifying initiation of the investigation. Petitioner has provided all information as required under the application proforma. As regards failure of evaluation of certain parameters in the write up, the petitioner submits that it is not necessary for the petitioner to evaluate all the parameters in the application. The petitioner is obliged to provide all relevant information which it has done.
- c. Analysis of import data shows that the importers have used following units of measurements for importing the product under consideration. The Petitioner has expressed all these imports not reported on weight basis in terms of weight by applying following methodology:

<i>Sl. No</i>	<i>Unit</i>	<i>Methodology Used for Convert in to weight</i>
1	PCS	Weight = Wt per m*Length*No. of Pcs
2	NOS	Weight = Wt per m*Length*Nos. .

Where: Wt/m = Standard Weight per Meter for each OD of Roller

Length = Length in meters of the Imported roller derived from the description

The above sufficiently describes the methodology adopted for conversion of the units other than kg into kg.

- d. DGCI&S data is a confidential data and therefore cannot be circulated. The interested party is free to collect transaction-wise data from DGCI&S if they so desire. Reference is made to the trade notice F. No. 4/2/2017 dated 8th December 2017.
- e. Petitioner has provided all relevant information as required and confidentiality has been claimed only where it is necessary. Petitioner is the sole petitioner and the sole producer in the POI and thus its information, even in terms of volume parameters, has not been disclosed. Disclosure of such highly business sensitive information, would be of significant competitive advantage to competitors and consumers and would seriously impact the interest of Petitioner Company.
- f. Indexed information has been provided wherever possible. The injury analysis is essentially an analysis of trend which can be easily seen through trends of various parameters provided in the petition.
- g. The mere fact that the Authority chose a different POI upon initiation does not mean that the petitioner should file petition again. Petition is filed under Rule 5 and the investigation is conducted under Rule 6. The requirements under Rule 5 are different from the requirements under Rule 6.
- h. Upon initiation, the Authority directed the petitioner to update information considering the POI decided by the Authority. There is no requirement of filing an updated petition with explanations. The petitioner is obliged to provide all relevant information for the updated POI which has been done. Reference is made to WTO Panel Report in the matter of Thailand - H-Beams WT/DS122/R dated 28 September 2000.

E.2 Submissions by various interested parties

16. The following submissions were made by the producers/ exporters/ importers/other interested parties with regard to confidentiality and other issues.
 - a. Petitioner's excessive claim for confidentiality violates the relevant Articles and Rules of the AD Rules and the ADA with regard to Total Indian Production, export sales (volume and value), domestic sales (volume and value) of DI, Indian Demand, etc.
 - b. The information provided is insufficient to initiate anti-dumping proceedings. The allegations in the petition are largely based on estimates and assumptions. Authority failed to analyse the petition carefully otherwise would have held that the petition provides insufficient data.
 - c. Petition is unclear on how the Petitioner synthesised import statistics from raw data and the updated version does not disclose the segregation of subject product from non-subject product. Since the weight of product varies based on its quality, the unit of measurement based on a formula utilised by the Petitioner cannot be applied. Thus, Authority is requested to direct the petitioner to provide explanation on formation of sorted data.
 - d. DGAD is requested to provide the import data which is withheld, without any claim of confidentiality in the updated petition and in the original petition, it does not correspond to the POI.

- e. After submitting an incomplete petition initially, Petitioners have not provided an updated version of the petition; only provided the updated data which cannot be substituted for the petition as it is lacking in the supporting analysis.
- f. Further, updated data provided is itself incomplete; in the light of the present investigation be terminated as the Petitioner had sufficient time to file the updated version but has only submitted an incomplete version of the updated data.

E.3 Examination by the Authority

- 17. With regard to the confidentiality of information, the Authority notes that the information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim in accordance with Rule 7 of the AD Rules. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not kept it open in public file. The Authority has also considered the confidential claims of other interested parties in accordance with the aforesaid rule and its consistent practice.
- 18. The Authority is of the view that there is no requirement of filing an updated petition with explanations. The petitioner is obliged to provide all relevant information for the updated POI which has been done.
- 19. With regard to the request for provision of import data the Authority would like to point out that the Trade Notice No.7/2018 dated 15th March 2018 provides that the Authority, on the basis of a written request would authorize the bona fide applicant to obtain the Transaction-wise import data. It is therefore for the interested party to seek from the Authority transaction wise data for analysis.
- 20. As regards the argument on the deficient information provided by the petitioner, the Authority notes that the information provided by the petitioner in the application was as per the proforma prescribed and only upon satisfaction of the merit of the case, the Authority initiated the present investigation.
- 21. The Petitioner has expressed all these imports not reported on weight basis in terms of weight. The petitioner has provided a note on standard weight along-with weight per meter working. The Authority finds that this methodology is relevant and therefore relied for the purpose of present investigation.

F. Determination of Normal Value, Export Price and Dumping Margin

F.1 Views of the Domestic industry

- 22. The following submission was made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin
 - a. Article 15(b) of China's Accession Protocol implies that provisions of Clause 15(a)(ii) shall expire 15 years from date of China's Accession, i.e., provisions of this paragraph shall be available for 15 years, i.e., up to Dec., 2016. This implies that Authority will have to consider the costs and prices for determination of normal value.
 - b. The investigation period considered by the Authority in the present case is April, 2016 to March, 2017 (12 months). The injury investigation period has been considered as the period 2013-14, 2014-15, 2015-16 and POI.
 - c. The purpose of fixation of POI is to consider a period when the existence of dumping causing injury is claimed and established. The date of determination is not relevant to the moot question of dumping causing injury to the domestic industry. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone should be considered relevant, appropriate and necessary for the purpose.
 - d. The Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 to Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status. This also implies that unless these conditions are not fulfilled/ satisfied, the Chinese costs and prices cannot be adopted.
 - e. The consideration of market economy status is based on parameters prevailing during investigation period. Since the reason for rejection of Chinese costs and prices is distortion in the costs and prices in China due to

the factors listed in Para 8 to Annexure-I, petitioner submits that it is the investigation period that is relevant to decide consideration of Chinese producers as market economy companies.

- f. Since Chinese companies were denied market economy status for the reasons mentioned in Para 8 of Annexure-I till December, 2016, petitioners submit that since the period of investigation pertains majorly to the period before the expiry of the Accession Protocol the Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies till such time the investigation period includes the period specified in Accession Treaty protocol.
- g. In the context of rule 2(b), it is well established legal position that the imports by a domestic producer or its relationship with an exporter or importer are examined with reference to the investigation period. If POI alone is relevant for standing purposes, POI alone should be relevant for normal value determination.
- h. Chinese producers are required to be treated as companies operating under non-market economy environment and the Authority may proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I.
- i. Normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The petitioners have claimed consideration of normal value on the basis of cost of production in India duly adjusted.
- j. The dumping margin from China is not only significant, but also substantial, thus establishing existence of significant dumping of the product under consideration in India. The import volume of China has remained significant throughout the present injury period.
- k. Since the prices/quotations of the producers of the subject goods were not publicly available in spite of efforts made by the domestic industry, the domestic industry has determined normal value in China on the basis of cost of production in India by taking the international price of the major raw materials and duly adjusted with selling, general and administrative expenses and considering the consumption norms of the petitioners.
- l. The petitioner has relied upon the transaction wise import data procured from DGCI&S, to assess the volume and value of subject import in India. The export price is calculated at the CIF level while the normal values being at ex-factory level, the export prices have been adjusted for expenses on Ocean Freight, Marine insurance, Commission, Inland Freight, Port expenses, VAT adjustments and Bank charges
- m. Net export price, after the above adjustments, has been enclosed with the submissions made earlier in response to initiation. Wherever domestic industry could not get relevant evidence, the domestic industry has adopted most conservative estimates and submits that the dumping margin are significantly beyond *de minimis* even if all price adjustments are ignored.
- n. Considering the normal value and export price, dumping margin has been determined, details of which have already been enclosed along with the petition earlier. The dumping margin is not only above *de minimis* but also quite significant.

F.2. Views of other interested parties

23. The following submission was made by the producers/ exporters/ importers/ other interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin.
 - a. That in accordance with relevant provisions of the Protocol on China's accession to the WTO, the “surrogate country” practice in Anti-dumping actions should be lacking in multilateral legal basis since 11th Dec, 2016. Such practice is bound to expire from then on. We therefore request the Indian investigating authority not to use “surrogate country” methodology in calculating the normal value for this case, regard less whether treating China as a market economy country.
 - b. “*Pacta sunt setvanda*” is a basic principle and obligation under International Law, which means that no party shall evade its obligations under international treaties for political considerations or in the excuse of domestic laws to treat Chinese enterprises with discriminatory actions which are unfair, unjust and unreasonable.
 - c. China should be treated as market economy country and India should fulfil its obligation by treating it as ME and should legally stop using “surrogate country” approach. Reference is made to AB Report in Fasteners Case

F.3. Examination by the Authority

F.3.1 Determination of Normal Value – China

24. As regards the computation of normal value for China, the Authority notes that the *factum* of dumping causing injury to the Domestic Industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period

of Investigation (POI) for the purpose of the present review is April, 2016 - March, 2017. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during most of the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

25. It is also noted that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
26. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption that China PR is a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/ exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/ exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/ exporters in China to provide the relevant information.
27. The Authority notes that the known Chinese producers/ exporters and the Government of China have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to them to make their submissions in this regard. The MET questionnaire response has been filed only by China Chamber of International Commerce. Since the China Chamber of International Commerce itself is neither a producer nor an exporter of subject goods, the Authority considers it appropriate to treat China PR as a non-market economy country in the present investigation and proceeds with Para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value in case of China PR.
28. As per Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, normal value in China is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
29. In view of the above, the normal value for the subject products imported from China PR into India has been determined on "any other basis" by considering best available information with regard to cost of production and after reasonable additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. Accordingly, the normal value comes to US\$***/ MT for the POI.

F.3.2 Export Price for FCRI Group M/s. FCRI (Nanhai) New Materials Co., Ltd.; FCRI (Sihui) New Materials Co., Ltd.; FCRI (Pingxiang) Science & Technology Industrial Park Co., Ltd; exported through FCRI Import & Export Co., Ltd.

30. From the response filed by producers - M/s. FCRI (Nanhai) New Materials Co., Ltd., FCRI (Sihui) New Materials Co., Ltd., FCRI (Pingxiang) Science & Technology Industrial Park Co., Ltd, the Authority notes that all the producers have exported the subject goods through its related trader M/s. FCRI Import & Export Co., Ltd to India during the POI.
31. The sales to Indian customers are on FOB basis. FCRI Group has reported a total export of *** MTs having value of US\$ *** in their Appendix-2 and claimed certain adjustments on account of inland freight, port charges and bank charges and same have been allowed by the Authority. The Authority has made further adjustment on account of non- refundable VAT and credit cost. The Authority has also reconciled the exports by FCRI group from DGCIS data. Accordingly, the weighted average export price has been determined for FCRI Group at ex-factory level as US\$ *** / MT and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

F.3.3 Export Price for Zibo Huayan Industrial Ceramics Co., Ltd exported through Zibo Huayan International Trading Co., Ltd., China PR

32. The Authority notes that Zibo Huayan International Trading Co., Ltd., China PR, has exported subject goods to India during POI sourced from Zibo Huayan Industrial Ceramics Co., Ltd., China PR. The company has reported a total export of *** MTs in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claims made for Handling Charges; Inland Port Transportation; Bank Charges and Non-Refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price has been determined as US\$ ***/MT.

F.3.4 Export Price for Boxing County Jinruiji New Material Co. Ltd., exported through Zibo Konna Trading Co., Ltd., China PR

33. The Authority notes that Zibo Konna Trading Co., Ltd., China PR, has exported subject goods to India during POI sourced from Boxing County Jinruiji New Material Co., Ltd., China PR. The company has reported a total export of *** MTs in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claims made for Inland Transportation; Handling Charges; Bank Charges and Non-Refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price has been determined as US\$ ***/MT.

F.3.5 Export Price for Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd. exported through High Hope Zhongding Corporation; Guangdong King-Strong New Material Technology Co., Ltd.; and Foshan Skyplanet Import and Export Co., Ltd.

34. The Authority notes that Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd., China PR, has exported subject goods to India during POI through two traders namely High Hope Zhongding Corporation and Guangdong King-Strong New Material Technology Co., Ltd., China PR. Further the subject good sold to Guangdong King-Strong New Material Technology Co., Ltd., China PR, by Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd., China PR, has been exported to India through another trader namely Foshan Skyplanet Import and Export Co., Ltd., China PR.
35. Taking together all the transactions as described above, the Company has reported a total export of *** MTs in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has after due verification allowed claims made for Commission, Inland Freight, Handling Charges, Fumigation Fee, Sea Freight, Bank Charges and Non-Refundable VAT. Accordingly, the weighted average net export price has been determined as US\$ ***/MT.

F.3.6 Export Price for all other producers/exporters in China

36. For the non-cooperating producer/ exporter, highest dumping margin are adopted from the margins of cooperating exporters and it is provided in the Dumping Margin Table below:

Dumping Margin Table

S.N	Country	Producer	Exporter	Normal Value (US\$/MT)	Export price (US\$/MT)	Dumping Margin (US\$/MT)	Dumping Margin %	DM Range %
1	China PR	FCRI (Nanhai) New Materials Co. Ltd. FCRI (Sihui) New Materials Co. Ltd. FCRI (Pingxiang) Science & Technology Industrial Park Co. Ltd.	FCRI Import & Export Co. Ltd.	***	***	***	***	0-10
2	China PR	Zibo Huayan Industrial Ceramics Co., Ltd.	Zibo Huayan International Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	35-45
3	China PR	Boxing County Jinruiji New Material Co. Ltd.	Zibo Konna Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	50-60
4	China PR	Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd.	High Hope Zhongding Corporation, Guangdong King-Strong New Material Technology Co.	***	***	***	***	25-35

S.N	Country	Producer	Exporter	Normal Value (US\$/MT)	Export price (US\$/MT)	Dumping Margin (US\$/MT)	Dumping Margin %	DM Range %
			Ltd., and Foshan Skyplanet Import and Export Co. Ltd. China PR					
5	China PR	Any other	Any other	***	***	***	***	60-70

G. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

37. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
38. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by M/s Futura Ceramics Limited. In terms of Rule 2(b) of the Rules the petitioner has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination the cost and injury information of the petitioner, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

G.1 Views of the Domestic Industry:

39. The following submissions were made by the domestic industry with regard to injury and causal link:
- Imports increased in 2014-15 and then declined and have again increased in the POI.
 - Almost entirety of imports is from subject country.
 - Prices of Import have declined sharply without corresponding decline in costs.
 - Increasing positive Price undercutting throughout the injury period
 - Prices of imports have remained below not only selling price but also cost of sales. The gap between price of imports and cost of sales is increasing throughout the injury period
 - Domestic Industry has significant unutilised capacity. Capacity utilization is only 12% in POI
 - Market share of the domestic industry is merely 6%.
 - DI is incurring losses since 2015-16 and the losses have intensified in the POI. ROI is very low.
 - Inventories have increased, despite a sharp reduction in production.
 - Petitioner earlier had one kiln, they enhanced their production capacity in 2014-15, by installing new furnace based on German technology. Petitioner installed this new kiln not only to meet the expected surge in demand for the product (as can be seen from the robust increase in demand in 2014-15) but also to overcome some of the technical difficulties that the production process followed by the petitioner in the previous kiln was having. Thus, they have ensured quality and ability to service the Indian demand.
 - The increase in interest cost is due to significant increase in inventories. In fact, the capacity enhancement was largely funded by own funds and not from borrowed funds. However, the working capital requirements were financed by borrowed funds. Thus, significant increase in inventories has led to increase in interest costs. This increase in interest costs is due to dumping of the product.
 - It is pertinent to note here that there is only one other producer in the domestic market which has stopped production in the POI. Whereas the Indian industry should be holding the largest share of its own market, the Chinese are holding majority share and the Indian industry is in minority
 - The dumping margin and the injury margin from the subject country is not only more than *de minimis* but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is very significant.

G.2 Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties

40. The following submissions were made by exporters, importers, consumers and other interested parties with regard to injury and causal link:
- a. Reason for increase of Chinese Imports is rapid expansion of downstream tiles industry. Indian products could not meet sudden change in demand. Indian tile industry shifted from ceramic tiles to porcelain tiles hence the need for Chinese imports. The fluctuation of volume of imported Chinese Ceramic Rollers is in accordance with the change of the market demand of the Indian downstream industry.
 - b. The difference between Chinese prices and Indian prices are not as such to attribute whole of DI losses solely to it.
 - c. Installed capacity of the Industry has been increasing constantly during the injury period whereas production has been going down. DI has not produced enough quantity to fulfill domestic demand; scarcity of subject goods has caused an increase of imports.
 - d. Domestic Industry increased capacity on the basis of previous year demand; but the cost of sales also increased due to the investment for the expansion of capacity. Unfortunately, however, the Indian domestic consumption declined in the POI, and consequently the capacity of Indian industry could not be utilized sufficiently with increasing cost of sales.
 - e. Total Profits of Domestic Industry has increased substantially during POI
 - f. Cost of Sales have increased due to increase in installed capacity, no. of employees, wages, interest amount, depreciation etc. Main reason for increase in cost is illogical increase in capacity which is higher even than the demand in the country.
 - g. Return on Capital Employed has shown abnormal trends and does not correlate with the increase in installed capacity of the domestic industry.
 - h. Trend on working capital- There is a correlation between installed capacity, working capital and interest. Increase in capacities leading to increase in working capital has resulted in operational failure of the Domestic Industry.
 - i. The growth of Indian domestic ceramic rollers industry's labour costs is due to the fluctuations of Indian domestic market factors. Domestic labour costs rose too sharply is not related to Chinese imports.
 - j. Continuous enhancement of capacities without corresponding increase in production. This has triggered unprecedented costs.
 - k. Decline in demand after 2015 (because of shut down in tiles industry and increase in natural gas prices, demonetisation etc.) and improper business strategy.
 - l. Indian ceramic roller industry is not able to meet the demand. Ideal capacity cannot be more than 2,30,000 rollers whereas demand is much more than this. One Chinese company itself exports 2,00,000 rollers.
 - m. Shift in usage of quality of tiles i.e., mainly porcelain tiles, when DI produces ordinary rollers. Thus demand for petitioner's goods declined further.
 - n. DA should adopt actual profit earned by DI during a period when dumping was not alleged. Adoption of 22% colours injury determination. Reference is made to Bridgestone Case. The issue of taking 22% ROCE was left open by the CESTAT to be argued in appropriate case before DA. Thus DA has to mandatorily look into this issue. EC practice in this regard is referred.

G.3 Examination by the Authority

41. The Authority has taken note of the submissions made by various interested parties. The Authority has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Antidumping Rules and considering the submissions made by the interested parties.
42. The AD Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price

of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.

43. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of Antidumping rules states as under:

(iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

44. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and thereafter concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not.

45. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments submitted by the interested parties in their submissions.

a. Assessment of Demand

46. For this purpose, demand or apparent consumption of the product in India is taken as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. Share of imports from the subject country in demand/consumption in India determined by the Authority is as under:

Particulars	Units	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Demand					
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>88</i>	<i>53</i>	<i>45</i>
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>99</i>	<i>61</i>	<i>-</i>
Imports from Subject Countries	MT	2,608	4,553	2,460	2,613
Imports from Other Countries	MT	66	28	101	46
Total Demand/Consumption	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>158</i>	<i>89</i>	<i>88</i>
Market Share in Demand					
Sales of Domestic Industry	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>55</i>	<i>60</i>	<i>52</i>
Sales of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>63</i>	<i>69</i>	<i>-</i>
Imports from Subject Countries	%	81%	90%	86%	92%
Imports from Other Countries	%	2%	1%	4%	2%
Total Demand/Consumption	%	100%	100%	100%	100%

47. The Authority notes that demand has remained more or less stagnant over the injury period except in 2014-15, when the demand was unusually high.

G.3.2 Volume Effect of Dumped Imports - Import Volumes and Share of Subject Countries

48. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S data

The import volumes of the subject goods and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Subject Countries-China	MT	2,608	4,553	2,460	2,613
Others	MT	66	28	101	46
Total imports	MT	2,674	4,581	2,561	2,659
Share of imports in total imports					
Subject Countries-China	%	98%	99%	96%	98%
Others	%	2%	1%	4%	2%
Subject Country Imports in relation to					
Import in relation to Indian Production	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>148</i>	<i>106</i>	<i>241</i>
Import in relation to Sales	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>191</i>	<i>169</i>	<i>318</i>

49. Imports have increased sharply from base year to 2014-15 and have declined thereafter with a marginal increase in POI from previous year, yet they occupy a significantly high level. Almost entirety of imports is from subject country. Further imports in relation to production and consumption were already significant and have become astronomical during Period of Investigation.

G.3.3 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

50. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:
“With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.”
51. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

Price Undercutting

52. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product from the subject country and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at ex-factory level.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Import Volume	MT	2,608	4,553	2,460	2,613
Landed price of imports	Rs./KG	139.40	137.83	128.41	118.85
Net Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./Kg	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range %	15-25	30-40	45-55	45-55

53. The Authority notes that the landed price of imports is much below the selling price of the domestic industry. Imports are thus undercutting the prices of the domestic industry quite significantly over the injury period.

Price Underselling

54. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports as obtained from the DGCIS data. Comparison of the NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

SN	Particulars	Unit	
1	Avg. Landed Price	Rs/Kg	118.85
2	Non-Injurious Price	Rs/Kg	***
3	Price underselling	Rs/Kg	***
4	Price underselling	%	***
5	Price underselling	Range %	20-30

55. It is noted that the landed price of imports was much below the non-injurious price of the domestic industry. The Authority notes that the domestic industry has suffered price underselling during POI due to dumped imports of the subject goods from the subject country.

Price Suppression and Depression

56. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices or whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree and prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices and landed value over the injury period. The position is shown as per the Table below.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of Sales	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>109</i>	<i>126</i>	<i>132</i>
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>108</i>	<i>110</i>	<i>106</i>
Landed Price	Rs/KG	139.40	137.83	128.41	118.85
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	<i>100</i>	<i>99</i>	<i>92</i>	<i>85</i>

57. It is noted that, both, cost of sales and selling price of the domestic industry increased over the injury period. However, increase in selling price is not as much as the increase in cost of sales. The selling price has remained below the level of cost of production throughout the injury period. Landed price of imports have remained below the level of cost and selling price of the domestic industry. Thus, dumped imports have not only depressed but also suppressed the domestic prices of the domestic industry.

G.3.4 Impact on Economic Parameters of the Domestic Industry

58. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and the ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry indicates that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

59. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization is as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>131</i>	<i>187</i>	<i>250</i>

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Production (Actual)	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>115</i>	<i>89</i>	<i>59</i>
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>95</i>	<i>45</i>	<i>23</i>
Sales Domestic	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>88</i>	<i>53</i>	<i>45</i>

60. It is noted that production and sales of the domestic industry have declined significantly over the injury period despite sufficient demand in the domestic market. Capacity utilization of the domestic industry has also declined over the injury period.

b) Profits, Return On Capital Employed and Cash Profit

61. The cost of sales, selling price, profit/ loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analyzed as follows:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Cost of Sales	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>110</i>	<i>126</i>	<i>133</i>
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>109</i>	<i>110</i>	<i>106</i>
Profit/ (Loss) per unit	Rs./KG	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>71</i>	<i>(271)</i>	<i>(514)</i>
Profit/ (Loss) – Total	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>67</i>	<i>(154)</i>	<i>(250)</i>
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>123</i>	<i>117</i>	<i>59</i>
Profit before Interest and Tax	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>74</i>	<i>114</i>	<i>79</i>
Return on Investment	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>37</i>	<i>64</i>	<i>41</i>

62. The Authority notes that the domestic industry suffered in terms of profit, profit before interest and cash profits throughout the injury period. The domestic industry has claimed that dumping has occurred throughout the injury period and the same had intensified during POI. The losses have further intensified in the POI. The return on capital employed also followed the movement of profits and cash profit. It has declined throughout the injury period.

c) Market Share in Demand

63. The effects of the dumped imports on the market share in demand of the domestic industry have been examined as below:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Sales of Domestic Industry	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>55</i>	<i>60</i>	<i>52</i>
Sales of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>63</i>	<i>69</i>	<i>-</i>
Imports from Subject Countries	%	81%	90%	86%	92%
Imports from Other Countries	%	2%	1%	4%	2%

64. The Authority notes that the market share of the domestic industry has steeply declined. Further, market share of the domestic industry has also declined over the injury period whereas market share of subject country, which was already significant, has increased further. It indicates that dumping of the product is impacting the market share of the domestic industry.

d) Employment, Wages and Productivity

65. The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
No of Employees	Nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>91</i>	<i>101</i>
Productivity per Employee	Kg./Nos	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>110</i>	<i>97</i>	<i>58</i>
Productivity per Day	Kg./Day	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>115</i>	<i>89</i>	<i>59</i>
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>126</i>	<i>111</i>	<i>91</i>
Wages per Unit	Rs./Kg.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>111</i>	<i>133</i>	<i>156</i>

66. The Authority notes that employment level has remained almost constant and so has the level of wages over the injury period. Productivity per day and per employee has declined over the injury period.

e) Inventory

67. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Particular	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Opening Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>143</i>	<i>229</i>	<i>310</i>
Closing Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>160</i>	<i>217</i>	<i>250</i>
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>153</i>	<i>222</i>	<i>275</i>

68. The Authority notes that level of inventories with the domestic industry have increased over the injury period and the domestic industry is not in a position to sell its product.

f) Magnitude of Dumping

69. It is noted that imports from the subject country are entering the country at dumped prices and the margin of dumping are above *de minimis* limits and significant.

g) Ability to raise capital investment

70. It is seen that the domestic industry's capacity is largely unutilised and the industry is suffering losses. Thus the ability to raise capital investment in such a situation has weakened.

h) Growth

71. The data relating to growth of the domestic industry is shown in the following table:

Growth	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Production	Y/Y %	-	15	(22)	(33)

Domestic Sales	Y/Y %	-	(12)	(39)	(15)
Cost of sales	Y/Y %	-	10	14	5
Selling price	Y/Y %	-	9	2	(4)
Profit/Loss	Y/Y %	-	(33)	(331)	(62)
ROI	Y/Y %	-	(63)	75	(36)
Cash Profit	Y/Y %	-	24	(5)	(50)

72. The Authority notes that all the major growth parameters show a significant decline, indicating possible injury from the imports.

i) Factors Affecting Domestic Prices

73. The examination of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, price underselling in the Indian market. The Authority notes that the prices of the product under consideration in general should move in tandem with the prices of key raw materials and the domestic industry has been fixing its prices considering these input prices and landed price of imports. Thus, the landed value of subject goods from the subject country is an important factor for determination of domestic prices.

G.3.5 Other Known Factors & Causal Link

74. The Authority has noted other factors listed under the Antidumping Rules which could have contributed to injury to the domestic industry for examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry.

a) Export Performance

75. The claimed injury to the Domestic Industry is solely on account of domestic operations and there is no impact of exports on the injury suffered by the domestic industry.

b) Technology

76. The technology as also the production process for producing Ceramic Rollers has not undergone any significant development. Possible development in technology is not a cause of injury to the domestic industry.

c) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

77. There is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

d) Changes in pattern of consumption

78. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. Change in the pattern of consumption is unlikely to contribute to the injury to the domestic industry.

e) Performance of the domestic industry with respect to other products

79. Performance of other products being produced and sold by the petitioner is not a possible cause of injury to the domestic industry as the information on performance furnished by the petitioner relates to product under consideration only.

f) Factors establishing causal link

80. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. Imports are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly;
- b. Price undercutting being caused by the dumped imports prevented the increase in prices of the domestic industry which otherwise would have happened;
- c. The price suppression effect of dumped imports from subject country has resulted in significant erosion in profitability of the domestic industry;
- d. The domestic industry has been prevented from increasing its production, capacity utilization and market share despite existence of significant demand and capacities in the Country;
- e. Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are directly a result of dumped imports;
- f. The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of economic parameters like selling price, profitability, cash profit and ROCE.

H. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY INTERESTED PARTIES

H.1 Views of the Domestic Industry:

81. The domestic industry, in its post disclosure submissions has submitted as follows. For the sake of brevity, comments made by the domestic industry, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder:

- a. As the NIP has been determined on the basis of the data of the domestic industry, petitioner requests disclosure of detailed break up of NIP determined to enable the petitioner to provide comments on the same
- b. Petitioner finds huge difference in the amount of working capital reported by petitioner and the amounts considered in the disclosure statement, leading to significantly low capital employed and consequently return on investment. Consequently, the injury margin determined in the disclosure statement is much lower than the injury margin that should be considered for the purpose of the final findings, which would finally affect the quantum of Anti-dumping duty imposed.
- c. Determination of Constructed Normal Value which is based on domestic industry's cost of production should be disclosed as the normal value determined in the disclosure statement is materially lower than the calculations done by the petitioner and that too when the normal value is based on petitioner's data.
- d. The Authority may kindly disclose the non-confidential version of the verification report of the exporters/producers from subject country
- e. The Authority may kindly make available a copy of all the communications sent via mail or letter, to the opposing interested parties and replies filed by these interested parties
- f. The dumping margin and injury margin determined for responding exporters are materially lower than the dumping margin and injury margin determined by the petitioner. The vast difference in the two margins makes it obvious that there are fundamental issues in the data adopted for determination of NIP, CNV, export price and landed price of imports for each of the responding exporters
- g. There is significant difference between the export price determined by the petitioner and as determined by the Authority which suggests that the prices reported to Indian customs and reported by the exporters are materially different
- h. In a situation where there is stark difference between data reported under Indian custom and as reported by the exporters, the Authority should reject the data submitted by the exporters and consider Indian customs data
- i. That utilities consumption should not be considered at the best achieved levels in the past for the reason that the cause of increase in the consumption is not inefficient utilization of such inputs.
- j. The authority is required to determine actual cost of production and not a notional lower cost of production in order to determine a price which can be compared with the import price
- k. Capital employed should be determined considering present value of fixed assets, or at the least gross value of fixed assets

- I. Domestic industry submits that the form of anti-dumping duty should be fixed quantum of anti-dumping duty (fixed form of duty) for a period of five years expressed in US\$.

H.2 Views of the other interested parties:

82. The exporters in their post disclosure submissions have made the following points. For the sake of clarity some of the points reiterated by them have been mentioned, albeit in brief, below:
 - a. Reason for changes in the economic parameters/ data variations in claims made by Domestic Industry in its petition and as considered by Designated Authority in its Disclosure Statement, may please be provided.
 - b. The Designated Authority has proceeded with the presumption that China PR is a non-market economy country. Treatment of China PR as non-market economy after December 2016 is in violation of provisions of the Protocol on China's accession to the WTO. Consequently, the exporters have emphasized that within the scope of this investigation the Designated Authority shall:
 - grant “market economy status” to China PR based on the development of market economy of China;
 - conduct any normal value calculation in accordance with Article 2 of the Anti-Dumping Agreement; and
 - at the very least, apply the data on costs and prices provided by the Company in this response for the determination of the normal value rather than applying analogue country data in this investigation.
 - c. The Designated Authority should look into the issue of inflated ROCE raised in the various Anti-Dumping investigation and give its reasoned findings as to whether 22% ROCE adopted by the Designated Authority is reasonable as per Annexure-III to the Anti-Dumping Rules. They have further submitted that the Designated Authority should consider the return earned by the petitioners in the past when there was no allegation of dumping as reasonable return and adopt the same as reasonable return to arrive at the Non-Injurious Price.
 - d. Anti-dumping duty on Chinese Ceramic Roller products, restrict the imports of Chinese products, may seriously damage the interest of downstream industries and end users in India. It may make the domestic industry reluctant in improving the production technology and efficiency.
 - e. The import volume of ceramic rollers did not increase significantly during POI but fluctuated in accordance with the fluctuation in demand of downstream industry.
 - f. The injury suffered by the domestic industry is due to the fluctuation of the market but not because of imports from China PR.
 - g. One of the producer and its related trader, in accordance with Rule 15 of the Anti-Dumping Rules, have offered its willingness to accept a price undertaking. Requesting that the same may be accepted and the investigation against them may be terminated.

H.3 Examination by Authority:

83. The Authority notes that several of these issues have been deliberated upon and the Authority's views thereon expressed elsewhere in this document. Regarding the specific issues raised in the responses to the Disclosure Statement, it is informed that the variations in the economic parameters and data between the Petition and the Disclosure Statement are due to the detailed verification/ examination conducted by the Authority. Regarding the trade figures, the petitioner had initially in its petition annualized the then available trade data, which was later replaced by the Authority with the actuals as and when it became available from the DGCIS. Regarding the operational data, the variation is largely due to the unaudited/ provisional information provided in the Petition and the final audited versions of the final accounts of the petitioner. No *mala fide* was detected on the part of the petitioner in providing the information or data at any stage.

84. Regarding the offer of a price undertaking, it is noted that the same was made on 15th March 2018, which is at a very late stage of the investigation. The Authority is constrained to reject the same given the paucity of time to examine this belated 'price undertaking' offer.

I. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

85. The Authority has determined Non Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in anti-dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the domestic industry has been determined plant wise and accordingly weighted average NIP has been worked out. The weighted average NIP has been considered for comparing the landed price from each of the subject countries for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been done with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI has been calculated considering the best capacity utilisation and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price (NIP). The NIP so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries to determine the injury margin as follows:

Injury Margin Table

SN	Country	Producer	Exporter	NIP- US\$ / MT	Landed Value US\$/ MT	Injury Margin US\$/ MT	Injury Margin %	Injury Margin Range- %
1	China PR	FCRI (Nanhai) New Materials Co. Ltd. FCRI (Sihui) New Materials Co. Ltd. FCRI (Pingxiang) & Science Technology Industrial Park Co. Ltd.	FCRI Import & Export Co. Ltd.	***	***	***	***	Negative
2	China PR	Zibo Huayan Industrial Ceramics Co., Ltd.	Zibo Huayan International Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	10-20
3	China PR	Boxing County Jinruiji New Material Co. Ltd.	Zibo Konna Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	10-20

SN	Country	Producer	Exporter	NIP- US\$ / MT	Landed Value US\$/ MT	Injury Margin US\$/ MT	Injury Margin %	Injury Margin Range- %
4	China PR	Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd.	High Hope Zhongding Corporation; Guangdong King-Strong New Material Technology Co. Ltd.; and Foshan Skyplanet Import and Export Co. Ltd. China PR	***	***	***	***	10-20
5	China PR	Any other	Any other	***	***	***	***	50-60

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

86. It is noted that interested parties have argued that imposition of anti-dumping duties is against the interest of user industry, the Authority reiterates that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the India market, which is in the general interest of the country, Imposition of antidumping measures is not to restrict imports from the subject country in any way, or to affect the availability of the products to the consumers.

87. The Authority also holds that though in the event of imposition of anti-dumping duties the price level of product in India may be affected in the short term but fair competition in the Indian market will ensure the prices to come back to a sustainable equilibrium. The anti-dumping measures will mitigate the unfair advantage gained by dumping practices and arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply

K. RECOMMENDATION

88. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the Domestic Industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, Authority considers it necessary and recommends anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries in the form and manner described hereunder.

89. With regard to duty structure, keeping into account the factual matrix of the case and having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties, it is deemed appropriate to recommend fixed form of anti-dumping duty denominated in US\$. Further, having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury for a period of five (5) years, so as to address the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR:

Duty Table

SN	Sub-heading	Description of goods	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount US\$/ MT
[1]	[2]	[3]	[4]	[5]	[6]	[7]	[8]
1	6903	Ceramic Rollers	China PR	China PR	FCRI (Nanhai) New Materials Co. Ltd. FCRI (Sihui) New Materials Co. Ltd. FCRI (Pingxiang) Science & Technology Industrial Park Co. Ltd.	FCRI Import & Export Co. Ltd.	Nil
2	6903	Ceramic Rollers	China PR	China PR	Zibo Huayan Industrial Ceramics Co., Ltd.	Zibo Huayan International Trading Co. Ltd.	223.74
3	6903	Ceramic Rollers	China PR	China PR	Boxing County Jinruiji New Material Co. Ltd	Zibo Konna Trading Co. Ltd.	336.34
4	6903	Ceramic Rollers	China PR	China PR	Jincheng Scien Fine Materials Co., Ltd.	High Hope Zhongding Corporation Guangdong King-Strong New Material Technology Co. Ltd., Foshan Skyplanet Import and Export Co. Ltd. China PR	202.03
5	6903	Ceramic Rollers	China PR	China PR	Any Other than mentioned in 1,2,3 & 4		782.25
6	6903	Ceramic Rollers	Any other Country	China PR	Any	Any	782.25
7	6903	Ceramic Rollers	China PR	Any Other Country	Any	Any	782.25

* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC

90. An appeal against the order of the Central Government arising out of this finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority